E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 44 | प्रयागराज, बुधवार 22 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प बोले- ईरान से समझौता होने तक नाकेबंदी नहीं हटेगी, आपकी धमकियों से नहीं डरते, हम जंग के लिए तैयार-ईरान

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका तब तक ईरान के बंदरगाहों पर लगी नाकेबंदी नहीं हटाएगा, जब तक तेहरान के साथ कोई समझौता नहीं हो जाता। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि एक हफ्ते पहले शुरू हुई यह नाकेबंदी ईरान को पूरी तरह तबाह कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस संघर्ष में अमेरिका बहुत आगे है। इसके जवाब में ईरानी संसद के स्पीकर गालिबाफ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ट्रम्प दबाव बनाकर और सीजफायर तोड़कर बातचीत को ऐसी बनाना चाहते हैं, जहां ईरान को झुकना पड़े या फिर दोबारा जंग शुरू करने का बहाना मिल जाए। गालिबाफ ने आगे कहा कि ईरान किसी भी धमकी के दबाव में बातचीत नहीं करेगा। पिछले 2 हफ्ते में ईरान जंग लड़ने के लिए नई तैयारी कर चुका है। इन दोनों नेताओं का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम बुधवार को खत्म होने वाला है। ईरान का डेलिगेशन अमेरिका के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान जाने की तैयारी कर रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने दो ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि यह डेलिगेशन आज इस्लामाबाद पहुंच सकता है। हालांकि इस बातचीत से पहले ईरानी संसद स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने शर्त

रखी है कि वह तभी शामिल होंगे, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी मौजूद हों। जेडी वेंस के मंगलवार को वॉशिंगटन से पाकिस्तान जा सकते हैं। उनके साथ विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर भी होंगे। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-आखिरी समय करीबः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ युद्धविराम बुधवार शाम 8 बजे (अमेरिकी समय) तक ही रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उससे पहले कोई समझौता नहीं होता है, तो इसे आगे बढ़ाने की संभावना बहुत कम है। दूसरे दौर की वार्ताः उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और अमेरिका के बड़े अधिकारी मंगलवार को पाकिस्तान रवाना हो सकते हैं, जहां बातचीत का दूसरा दौर होने की संभावना है। इससे पहले ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि बातचीत की कोई प्लानिंग नहीं है। धीमी आवाजाहीः सोमवार को होर्मुज स्ट्रेट से सिर्फ 16 जहाज गुजरे। मरीन ट्रैफिक डेटा के मुताबिक, सोमवार को 9 जहाज होर्मुज में दाखिल हुए, जिनमें 2 ईरानी झंडे वाले जहाज थे, जिनमें से एक तेल टैंकर था। वहीं 7 जहाज बाहर निकले, जिनमें एक ईरानी कार्गो जहाज शामिल था। लेबनान-इजराइल वार्ताः इजराइल और लेबनान के बीच बातचीत का दूसरा दौर 23 अप्रैल को तय किया गया है। इससे पहले 16 अप्रैल को दोनों देशों की बातचीत हुई थी जिसमें दोनों देशों ने 10 दिनों के लिए सीजफायर पर सहमति जताई थी। ईरानी जहाज सीजः अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश कर रहे टूस्का नाम के एक ईरानी जहाज को पकड़ लिया। यह चीन से लौट रहा था। ईरान ने इस पर नाराजगी जताई और अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। ईरान जंग में इस्तेमाल होने वाले 4 अहम शब्द- होर्मुजः होर्मुज स्ट्रेट ईरान और ओमान के बीच है। इस नाम की उत्पत्ति को लेकर अलग-अलग राय हैं, लेकिन सबसे ज्यादा माना जाता है कि यह अहुरा मज्दा से जुड़ा है, जो जोरोएस्ट्रियन धर्म में सबसे बड़े देवता हैं। इसका मतलब होता है बुद्धिमान भगवान। शाहेदः यह ईरान के सस्ते ड्रोन होते हैं, जिन्हें अक्सर कामिकाजे ड्रोन कहा जाता है। ये ड्रोन अपने साथ विस्फोटक ले जाते हैं और सीधे टारगेट पर जाकर टकराते हैं। सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये सस्ते और आसान तकनीक से बनाए जाते हैं। इसी वजह से इन्हें बड़ी संख्या में तैयार किया जा सकता है। टॉमहॉकः पहले टॉमहॉक एक तरह की कुल्हाड़ी को कहा जाता था, जिसे उत्तरी अमेरिका के आदिवासी लोग इस्तेमाल करते थे। अब सैन्य भाषा में यह एक लंबी दूरी तक मार करने वाली अमेरिकी क्रूज मिसाइल का नाम है, जो हर मौसम में काम कर सकती है। अयातुल्लाहः यह शिया इस्लाम में सबसे बड़े धार्मिक पदों में से एक है। यह उपाधि उन बड़े धार्मिक विद्वानों को दी जाती है, जिन्हें इस्लामी कानून, धर्म और शिक्षा में गहरी समझ होती है।

ईरान से शांति वार्ता के लिए ट्रंप खुद जा सकते हैं पाक,खत्म हो रहा युद्धविराम

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ शांति वार्ता पर आखिरी बातचीत के लिए खुद पाकिस्तान का दौरा

कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे राउंड की युद्धविराम वार्ता होने की उम्मीद अब काफी बढ़ गई है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने चर्चा में शामिल एक पाकिस्तानी सूत्र के हवाले से कहा है कि बातचीत के फिर से शुरू करने की दिशा में प्रगति हो रही है। उन्होंने ये भी संकेत दिया है कि अगर ईरान के साथ कोई समझौता हो जाता है तो या तो खुद डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान आ सकते हैं या फिर ऑनलाइन माध्यम से इसमें शामिल हो सकते हैं। रॉयटर्स ने नाम नहीं बताने की शर्त पर सूत्रों के हवाले से कहा है कि 'चीजें आगे बढ़ रही हैं और कल के लिए बातचीत सही रास्ते पर है।' यूनाइटेड स्टेट्स ने भरोसा जताया है कि सीजफायर का समय खत्म होने के करीब होने के बावजूद दुश्मनी खत्म करने के मकसद से बातचीत आगे बढ़ सकती है। हालांकि ट्रंप ने युद्धविराम खत्म होने के बाद फिर से बमबारी शुरू करने की धमकी दी है। ईरानी प्रतिनिधिमंडल के इस्लामाबाद आने पर सस्पेंस बना हुआ है। एक सीनियर ईरानी अधिकारी के हवाले से रॉयटर्स की रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि तेहरान बातचीत में हिस्सा लेने के बारे में 'सकारात्मक रिव्यू' कर रहा है भले ही उसने पहले इस प्रक्रिया में शामिल होने से मना कर दिया था। हालांकि ईरानी अधिकारी ने जोर देकर कहा है कि कोई भी आखिरी फैसला अभी नहीं लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका एक ऐसे समझौते की तलाश में है जिससे तेल की कीमत में स्थिरता आए और होर्मुज स्ट्रेट फिर से पूरी तरह खुले। इसके अलावा ट्रंप ने कहा है कि किसी भी समझौते में यह सुनिश्चित होना चाहिए कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने के साधन न मिलें। दूसरी तरफ तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपने रणनीतिक नियंत्रण का लाभ उठाकर प्रतिबंधों से राहत पाने और युद्ध की फिर से शुरुआत से बचने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा ईरान यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि उसके परमाणु कार्यक्रम पर कोई रोक न लगे। इस्लामाबाद में पहले राउंड की बातचीत के नाकाम रहने के पीछे ऐसे ही मुद्दे थे जिनपर किसी नतीजे पर दूसरे राउंड की बातचीत में भी पहुंचना अत्यंत मुश्किल है। जो झुकेगा उसे हारा हुआ माना जाएगा। ईरान अपनी घरेलू राजनीति में सरेंडर करता हुआ नहीं दिखना चाहता। इसीलिए अगर होती है तो शांति वार्ता काफी जटिल रहने वाली है और बुधवार शाम तक किसी नतीजे तक पहुंचने की संभावना कम लग रही है हां, ये हो सकता है कि युद्धविराम की मियाद बढ़ाने पर कोई सहमति बन जाए।

ममता की चुनावी रणनीति बनाने वाली 'आई-पैक' का ऑफिस बंद,चुनाव में 1 लाख एजेंट दिए, फर्म पर ईडी और सीबीआई ने मनी लॉन्ड्रिंग केस किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और सीएम ममता बनर्जी का चुनावी कैंपेन संभाल रही फर्म 'आई-पैक' का

कोलकाता के विधाननगर स्थित दफ्तर दो दिन से बंद है। सूत्रों के अनुसार इसके एचआर ने 1300 कर्मियों को काम पर न आने का लेटर भेजा है। यह सब ऐसे समय हुआ है जब पहले चरण का मतदान को 3 दिन बचे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण के तहत 152 सीटों पर वोटिंग होनी है। चुनाव प्रचार 21 को खत्म हो जाएगा। दूसरे चरण की वोटिंग 29 अप्रैल को है। रिजल्ट 4 मई को आएंगे। दरअसल, तृणमूल की बूथ लेवल की गतिविधि से लेकर नेताओं की सभाएं, रैलियां, सब कुछ तय करने में 'आई-पैक' यानी इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी की अहम भूमिका निभा रही है। बंगाल में पार्टी के मौजूदा करीब 33फीसदी विधायकों के टिकट काटने के फैसले के पीछे भी इसी का सर्वे आधार था। इसने बंगाल के 93 हजार पोलिंग बूथों के लिए एक लाख शैडो एजेंट्स तैयार किए थे। तृणमूल भले ही इसके बंद होने की खबरों को खारिज कर रही है, लेकिन मतदान से ठीक पहले संगठन और कार्यकर्ता असमंजस में आ गए हैं। हालांकि सवाल पर पार्टी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा- हम संसद में दूसरी बड़ी विपक्षी पार्टी हैं। 5 एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं। सभी ठीक हैं। पार्टी के एक अन्य नेता ने बताया कि टीएमसी संगठन 4 स्तर पर काम कर रहा है। 2021 के चुनाव में ममता के लिए आईपैक ने रणनीति बनाई। उन्होंने फर्म को संगठन का काम दिया। प्रत्याशी चयन, बूथ लेवल मैनेजमेंट, भाषण, सोशल पोस्ट, पोस्टर, नारे सब कुछ आईपैक ही कर रही थी। इस चुनाव में टीएमसी डेटा पर फोकस कर रही है। 2021 विस और 2024 लोकसभा चुनाव के बूथ स्तरीय आंकड़ों का विश्लेषण आईपैक ने ही किया। हर सीट को 3 कैटेगरी में बांटा। मजबूत, कमजोर और लो वोट मार्जिन। 15 हजार तक मार्जिन की सीटें चुनीं। टीम एसआईआर को भी ट्रैक कर रही है। पार्टी का मानना है कि वोटर लिस्ट से बड़ी संख्या में नाम हटने से गणित बिगड़ सकता है, इसलिए शैडो एजेंट्स लाए गए। ये एजेंट्स नाम कटने वाले वोटरों तक पहुंचे। उनसे फार्म भरवाए, री-एंट्री करवाई। बीएलओ को ट्रैक करना, वोटर लिस्ट की गड़बड़ी पकड़ना, फील्ड से रियल टाइम इनपुट देना, ये काम शैडो एजेंट्स ही कर रहे थे। हर सीट पर अलग वॉर रूम है, जहां 20 सदस्यीय टीम काम करती है। छोटी बैठकें अरेंज करती हैं। इस बीच, टीएमसी ने आशंका जताई है कि उसके 800 नेताओं, कार्यकर्ताओं को केंद्रीय सुरक्षा बल एहतियातन गिरफ्तार कर सकते हैं। इसे लेकर पार्टी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर तुरंत सुनवाई की मांग की है। पार्टी को यह भी आशंका है कि केंद्रीय बल राज्य के पुलिस थानों को कब्जे में ले सकते हैं। उधर, 'आई-पैक' का मामला सुप्रीम कोर्ट में भी चल रही है। 'आई-पैक' यानी इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी है। यह राजनीतिक दलों के लिए बड़े स्तर पर चुनावी अभियानों का काम करती है। कंपनी और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन पर करोड़ों रुपए के कोयला चोरी घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। सीबीआई ने इस मामले में 27 नवंबर 2020 को एफआईआर दर्ज की थी। पूरा मामला रु2,742 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है। आरोप है कि रु20 करोड़ हवाला के जरिए 'आई-पैक' तक ट्रांसफर हुए। ईडी ने 28 नवंबर 2020 को इसकी जांच शुरू की थी। 8 जनवरी 2026 को ईडी ने कोलकाता में 'आई-पैक' और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और ऑफिस पर छापा मारा था।

बालेन शाह के गृह मंत्री को लेकर मचा बवाल, नेपाल में सरकार बनने के 1 महीने के अंदर ही घिरे

काठमांडू। नेपाल में भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई बालेन शाह की सरकार पहले महीने में ही मुश्किल में फंस गई है। मार्च के आखिर में प्रधानमंत्री बनने वाले बालेन शाह की कैबिनेट के बेहद

अहम सदस्य सुदन गुरुंग मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का सामना कर रहे हैं। इसके चलते गृह मंत्री सुदन गुरुंग पर पद छोड़ने का राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। सुदन पर विवादित व्यवसायी दीपक भट्ट से जुड़ी कंपनियों के शेयर खरीदने का आरोप है। दीपक भट्ट मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जेल जा चुके हैं। सुदन के मामले में सोमवार विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस समेत कई राजनीतिक दलों और नागरिक समाज समूहों ने स्वतंत्र जांच की मांग की है। विपक्षी दलों और सिविल सोसायटी का कहना है कि गुरुंग को गृह मंत्री के पद पर नहीं रहना चाहिए। उनको खुद इस्तीफा देना चाहिए या बालेन शाह को उनको पद से हटना चाहिए। एनसी के प्रवक्ता देवराज चालिसे ने कहा कि मंत्रियों की संपत्ति से जुड़े सवालों का जवाब विश्वसनीय और सबूतों पर आधारित जांच के जरिए दिया जाना चाहिए। पारदर्शिता और जवाबदेही लोकतंत्र के मूल स्तंभ हैं। इसलिए ऐसे मामलों में मंत्री इस्तीफा दें और एक विश्वसनीय, निष्पक्ष और तथ्यों पर आधारित जांच की जाए। एनसी ने कहा कि इस मुद्दे ने एक गंभीर चिंता पैदा कर दी है और राजनीतिक नैतिकता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं। सरकार इसमें तुरंत एक स्वतंत्र, उच्च-स्तरीय जांच शुरू करे। गुरुंग का पद पर बने रहना जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता पर संदेह पैदा कर सकता है और संभावित रूप से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव डालने का मौका दे सकता है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष राजेंद्र लिंगडेन ने सरकार से गुरुंग के भट्ट के साथ कथित संबंधों पर स्पष्टीकरण की मांग की है। लिंगडेन ने कहा कि सरकार और सत्ताधारी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी दोनों को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। गृह मंत्री को अपनी स्थिति साफ करनी चाहिए और पार्टी नेतृत्व को भी अपना रुख बताना चाहिए। गुरुंग के पास भट्ट से जुड़ी स्टार माइक्रो इंश्योरेंस में शेयर रखने के मामले पर जेनज़ी रेड फोर्स नेपाल ने नैतिक आधार पर इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि गुरुंग का पद पर बने रहना जनता के विश्वास को कमजोर करता है और जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठाता है। रविवार को सार्वजनिक हुए दस्तावेजों से पता चला कि गुरुंग के पास अपने नाम से स्टार माइक्रो इंश्योरेंस और लिबर्टी माइक्रो इंश्योरेंस में शेयर हैं। सुदन गुरुंग-मेरे ऊपर लगे आरोप और इससे जुड़ी मीडिया रिपोर्ट प्रायोजित अफवाहें हैं। कुछ भ्रष्ट लोग अपने खिलाफ चल रही कार्रवाई से घबराए हुए हैं। ऐसे में वे जान-बूझकर इस तरह की भ्रामक जानकारियां फैला रहे हैं। गुरुंग के इस्तीफे की मांग तेज होने के बीच प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सोमवार को आरसीपी नेताओं के साथ बैठक की है। वहीं गुरुंग ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया कि उन्होंने अपनी वित्तीय जानकारी छिपाई थी। उन्होंने कहा कि शेयर बाजार में उनका कुल निवेश 20 मिलियन रुपए है और इससे जुड़ी तमाम जानकारी सरकारी रिकॉर्ड में उपलब्ध हैं।

बालेन शाह सरकार ने भारत से सामान लाने पर लिया कड़ा फैसला,विपक्ष ने दी चेतावनी, बॉर्डर इलाके में भड़के लोग

काठमांडू। नेपाल की बालेन शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने एक अहम फैसले में भारत से आयात होने वाले सामानों पर कस्टम्स क्लीयरेंस की प्रक्रिया सख्त कर दी है। नए नियमों में 100 रुपए से अधिक कीमत वाली वस्तुओं को औपचारिक कस्टम्स चैनलों के माध्यम से प्रोसेस करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। सरकार के इस फैसले पर मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली है। इसका कुछ सीमावर्ती क्षेत्रों के सीमावर्ती इलाके के लोगों और विपक्ष ने विरोध किया है। वहीं व्यापारियों ने इस कदम का स्वागत किया है। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, सरकार से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि भारत से आयात पर कस्टम्स क्लीयरेंस की प्रक्रिया में सख्ती का मकसद कस्टम्स राजस्व के रिसाव को रोकना है। इसके जरिए बिराटनगर और बीरगंज से लेकर धनगढ़ी तक सभी सीमा चौकियों पर कानून के पालन को मजबूत किया जाएगा। बालेन सरकार के इस फैसले के बाद नेपाली अधिकारियों ने सभी प्रमुख सीमा चौकियों से आने वाले आयात की जांच-पड़ताल बढ़ा दी है। अधिकारियों ने खासतौर से भारतीय नंबर प्लेट वाले वाहनों के इस्तेमाल पर सख्ती करना शुरू

किया है। सीमा पर तैनात सुरक्षाकर्मी असुविधा से बचने के लिए लोगों से कस्टम्स नियमों का पालन करने का आग्रह कर रहे हैं। सरकार के फैसले के तुरंत बाद इसका विरोध शुरू हो गया है। कई इलाकों में इसके खिलाफ प्रदर्शन हुए हैं। सरलाही में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को छोड़कर ज्यादातर राजनीतिक दलों ने इसके खिलाफ संयुक्त बयान जारी किया है और आंदोलन की चेतावनी दी है। इनकी मांग है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में भारतीय नंबर प्लेट वाले वाहनों के इस्तेमाल को जारी रखा जाए। 'ये पुराना कानून का ही पालन' नेपाली कांग्रेस ने 100 रुपये से अधिक कीमत वाले घरेलू सामानों पर कस्टम्स शुल्क लगाए जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए इस फैसले को वापस लेने की मांग की। पार्टी ने कहा कि कोई भी ऐसी नीति बर्दाश्त नहीं की जाएगी, जिससे नागरिकों के दैनिक जीवन पर बोझ बढ़ता हो। मधेश प्रांत के सांसदों ने आग्रह किया कि घरेलू सामानों के आयात पर लगाए गए प्रतिबंधों को सख्त ना किया जाए। कस्टम्स विभाग ने कहा है कि यह केवल मौजूदा कानूनों का ही क्रियान्वयन है। विभाग के प्रवक्ता ने कहा, 'कानून में पहले से ही 100 रुपये से अधिक कीमत वाले सामानों पर कस्टम्स शुल्क का प्रावधान है। लोगों को सीमा पार जाकर छोटी-मोटी चीजें खरीदने की आदत है, जिससे घरेलू व्यापार कमजोर होता है। हम सिर्फ मौजूदा नियमों का पालन करवा रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में उपभोक्ताओं और राजनीतिक नेताओं के विरोध के बावजूद व्यापारिक संगठनों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है।

प्रयागराज में पारा 44से. पार, महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी का समय बदला

लखनऊ/प्रयागराज। देश के मैदानी इलाकों में तेज गर्मी जारी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश,

पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा और दिल्ली में कई जगह पारा 44से. पार पहुंच गया है। कई जगह लू का भी अलर्ट है। मध्य प्रदेश के भोपाल में पहली बार रात में लू चलने की चेतावनी दी गई है। भोपाल, छिंदवाड़ा, मंडला, नर्मदापुरम, ग्वालियर, रतलाम और छतरपुर समेत 16 जिलों में लू चलने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज में 44.4से. के साथ देश में सबसे गर्म रहा। राज्य में गर्मी को देखते हुए 8वीं तक के स्कूलों का टाइम बदल दिया गया है। झारखंड में भी आज से स्कूलों के समय में बदलाव किया है। प्रदेश में पहली बार 'वॉर्म नाइट' का अलर्ट है। आईएमडी के मुताबिक मंगलवार की रात भोपाल समेत 9 शहरों में रात में भी तेज गर्मी रहेगी। इससे पहले रविवार-सोमवार की रात में भोपाल, छिंदवाड़ा, मंडला और नर्मदापुरम में गरम रात रही। बुधवार को ग्वालियर, रतलाम और छतरपुर समेत 16 जिलों में लू चलने के आसार हैं। प्रदेश में 26 जिलों का तापमान 40से. या इससे ज्यादा पहुंच गया। मौसम विभाग ने अगले 4 दिनों तक दिन में लू का अलर्ट जारी किया है। भीषण गर्मी को देखते हुए योगी सरकार ने 8वीं तक के सरकारी स्कूलों की टाइमिंग बदल दी है। मंगलवार सुबह से प्रयागराज, काशी, कानपुर में तेज धूप निकली है। काशी के घाटों में सन्नाटा पसरा है।

'भारत ने इजरायल की मदद कर अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ा,यूएन की दूत फ्रांसेस्का का आरोप

रोम। मानवाधिकार कार्यकर्ता और फिलिस्तीन में यूएन की विशेष

रैपोर्टेयर फ्रांसिस्का अल्बानीज ने गाजा की स्थिति पर बात की है। उन्होंने कहा है कि इजरायल की ओर से गाजा में जो किया जा रहा है, उसे किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता है। फ्रांसिस्का ने इजरायल के फिलिस्तीन में किए जा रहे हमलों पर दुनिया के ठंडे रवैये को लेकर सवाल खड़े किए हैं। खासतौर से भारत के इजरायल से संबंधों पर फ्रांसिस्का ने एतराज जाहिर किया है। द हिंदू के साथ बातचीत में फ्रांसिस्का ने इजरायल-फिलीस्तीन से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए हैं। इटली की रहने वाली अल्बानीज ने इस साल, 23 मार्च को यूएन मानवाधिकार परिषद के 61वें सत्र में अपनी रिपोर्ट 'यातना और नरसंहार' पेश की है। इस रिपोर्ट में उन्होंने खासतौर से अक्टूबर 2023 के बाद से इजरायल की ओर से फिलिस्तीनियों की गिरफ्तारी और हिरासत में लिए गए लोगों के साथ यातना के बारे मे बताया है। उनकी रिपोर्ट में 18,500 गिरफ्तारियों का जिक्र है, जिनमें 1,500 बच्चे हैं। इजरायल बहुत साफ-साफ दिख रहा है कि वह फिलिस्तीनियों और खासतौर से गाजा में क्रूरता कर रहा है। इजरायल का नया यह कानून दिखाता है कि इजरायल किस तरह से हर दिन अपनी हदें पार कर रहा है। इस सब पर दुनिया को बोलना चाहिए। हम इजरायल की ओर से की जा रही ज्यादती पर चुप नहीं रह सकते हैं। फ्रांसिस्का अल्बानीज ने द हिंदू के साथ इंटरव्यू में कहा कि इजरायल की आर्मी और सरकार की ओर से गाजा में जो किया जा रहा है, वह क्रूरता है और इसे किसी भी कीमत पर जायज नहीं कहा जा सकता है। फिलिस्तीनियों पर बम गिराना, उनको गिरफ्तार करना, उनको घरों से उठाकर गायब कर देना और औरतों-बच्चों का शोषण इजरायली कर रहे हैं।

महिला आरक्षण में देरी पर कांग्रेस- 'मोदी सरकार ने परिसीमन का बहाना बनाकर लटकाया मामला'

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी द्वारा कुछ साल पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे गए पत्रों का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़कर इसके कार्यान्वयन में देरी करना चाहते हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में राहुल गांधी ने 16 जुलाई, 2018 को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग की थी।रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, 'आठ साल बाद, प्रधानमंत्री इसे परिसीमन से जोड़कर आरक्षण के कार्यान्वयन में देरी करना चाहते हैं - अभी भी इस मांग पर कदम नहीं उठा रहे हैं।' उन्होंने राहुल गांधी के जिस पत्र का हवाला दिया, उसमें राहुल गांधी ने 2018 में संसद के मानसून सत्र में महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने के लिए समर्थन का अनुरोध किया था। पत्र में गांधी ने कहा था, 'प्रधानमंत्री महोदय, अपनी कई सार्वजनिक सभाओं में आपने महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें सार्वजनिक जीवन में अधिक सार्थक रूप से शामिल करने के अपने जुनून के बारे में बात की है। महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने के लिए बिना शर्त समर्थन देने की पेशकश से बेहतर महिलाओं के हितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है? और संसद के आगामी सत्र से बेहतर समय क्या हो सकता है? किसी भी तरह की देरी से इसे अगले आम चुनाव से पहले लागू करना असंभव हो जाएगा।' उन्होंने यह भी कहा था, 'हमारी महिलाओं को सशक्त बनाने के मुद्दे पर, आइए दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एक साथ खड़े हों और भारत को संदेश दें कि हमारा मानना है कि बदलाव का समय आ गया है। महिलाओं को हमारे राज्य विधानसभाओं और संसद में अपना उचित स्थान लेना चाहिए, जहां वर्तमान में उनका प्रतिनिधित्व बहुत कम है।' रमेश ने 2017 में तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी लिखे गए पत्र का हवाला देते हुए कहा, 'कांग्रेस पार्टी का रुख अडिग और अपरिवर्तित रहा है। यह मोदी सरकार है जो इस मांग पर सोई रही और फिर इसे परिसीमन से जोड़कर इसमें देरी करने की कोशिश की है।

नगरीय निकायों में 'समाधान दिवस सम्भव' का आयोजनः जिले में 20 शिकायतें प्राप्त, सभी का तत्काल निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। 30प्र0 शासन के निर्देश पर जन शिकायतों की सुनवाई तथा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में 'समाधान दिवस सम्भव' का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को नगर पालिका परिषद सोनभद्र में अध्यक्ष रूबी प्रसाद एवं अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार की अध्यक्षता में जनसुनवाई दिवस का आयोजन हुआ। जनसुनवाई में कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 2, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 2, नगर पंचायत ओबरा में 5, नगर पंचायत रेनुकूट में 0, नगर पंचायत पिपरी में 2, नगर पंचायत दुद्धी में 3, नगर पंचायत डाला बाजार में 1 तथा नगर पंचायत अनपरा में 2 शिकायतें शामिल रहीं। अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश आदि से संबंधित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता है और इस पर तत्परता से कार्यवाही की जा रही है। इस अवसर पर जेई राज कुमार राज, सभासद अनवर अली, राकेश कुमार, मनोज चौबे, अजीत सिंह, विमलेश, राजीव कुमार, आकाश कुमार एवं नगर पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे।

रायबरेली की सरनीत कौर बनी ब्रोका 2016 बैच की आईएएस अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली। सरनीत कौर ब्रोका 2016 बैच की आईएएस अधिकारी बनी रायबरेली की जिलाधिकारी। इससे पहले वे निदेशक, बाल विकास एवं पुष्टाहार तथा राज्य पोषण आयोग, उत्तर प्रदेश में तैनात थीं। उन्हें एक सख्त लेकिन संवेदनशील अधिकारी के रूप में जाना जाता है, जो पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता के लिए पहचानी जाती हैं।

मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण की पात्रता की प्राथमिकता श्रेणी मे भोंटिया, जौनसारी, राजी, गोंड, खरवार, परहिया,पंख, अगरिया, पटारी, व भुइंया जातियों को भी किया गया सम्मिलित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत भोंटिया, जौनसारी, राजी, गोंड तथा इसकी पर्याय धुरिया, ओझा, नायक, पठारी, राजगोंड (30 प्र0 के जनपद महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर, बलिया, गाजीपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, चंदौली, कुशीनगर, भदोही तथा सन्तकबीरनगर), खरवार, खैरवार (देवरिया, बलिया, गाजीपुर, वाराणसी एवं सोनभद्र जिला मे), पराहिया (सोनभद्र जिले मे), पंखा, पनिका(सोनभद्र एवं मिर्जापुर जिले मे, अगरिया (सोनभद्र जिले मे) पटारी (सोनभद्र जिले मे) तथा भुइंया, भुनिया (सोनभद्र जिले मे) जातियों (अनुसूचित जनजातियों) को भी उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति के दृष्टिगत मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण की पात्रता की प्राथमिकता श्रेणी मे सम्मिलित किया गया है। श्री मौर्य ने बताया कि उनके विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के भ्रमण के दौरान यह मामला प्रकाश में आया कि मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण की पात्रता सूची में उपरोक्त जातियां शामिल नहीं है,और इन जातियों के कतिपय पात्र लोगों द्वारा फील्ड भ्रमण के दौरान आवास आवंटन की मांग की गयी। उप मुख्यमंत्री द्वारा इसे संज्ञान में लिया गया और इस सम्बन्ध में गहन विचार विमर्श के बाद इन जातियों को भी सभी औपचारिकताएं पूर्ण कराते हुए मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण की प्राथमिकता श्रेणी में शामिल कराने का निर्णय लिया गया।

साईं हॉस्पिटल में 'नारी वंदन सम्मान' सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित,सशक्त महिला से बनेगा आत्मनिर्भर समाजःमुख्य अतिथि विभा सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ, उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी लखनऊ एवं गुप्त काशी विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में नगर स्थित साईं हॉस्पिटल एण्ड कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग के सभागार में 'नारी वंदन सम्मान' सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की उपाध्यक्ष विभा सिंह के मुख्यातिथ्य एवं वरिष्ठ साहित्यकार पंडित पारसनाथ मिश्र की अध्यक्षता में हुआ। सरस्वती वंदना, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अतिथि स्वागत के बाद

नारी सशक्तिकरण में योगदान देने वालों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष विभा सिंह ने कहा कि महिला सशक्तिकरण का अर्थ महिलाओं को निर्णय लेने, शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और समानता के अधिकार प्रदान करना है। सशक्त महिला न केवल परिवार को, बल्कि पूरे समाज को आत्मनिर्भर और विकसित बनाती है। कार्यक्रम संयोजक एवं गुप्त काशी विकास परिषद के अध्यक्ष पंडित आलोक कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि आज की महिलाएं प्रधानमंत्री, अंतरिक्ष यात्री, वैज्ञानिक और उद्यमी बनकर हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उन्हें घर और बाहर दोनों की जिम्मेदारियों में बराबरी का हक मिलना चाहिए। साईं हॉस्पिटल एण्ड कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग की डायरेक्टर डॉ. अनुपमा सिंह ने कहा कि आज भी कन्या भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा और लैंगिक असमानता जैसी कुरीतियां मौजूद हैं। महिला सशक्तिकरण का मतलब पुरुषों के खिलाफ होना नहीं, बल्कि समानता के साथ समाज का निर्माण करना है। अध्यक्षता कर रहे पंडित पारसनाथ मिश्रा ने कहा, 'नारी तू अबला नहीं, खुद को तू पहचान।' उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में नारी का बहुत सम्मान किया जाता था। कार्यक्रम में श्वेता कुमारी (वाराणसी) एवं दल द्वारा लोकगायन, सोनी सेठ (वाराणसी) एवं दल द्वारा कत्थक नृत्य, रानी सिंह (मिर्जापुर) एवं दल द्वारा कजरी लोकगायन प्रस्तुत किया गया। संचालन राष्ट्रीय कवि पंडित जगदीश पंथी ने किया। इस अवसर पर डॉ. पवन तिवारी, वैभव विशाल, विवेक, राज सिंह, आशुतोष मोदनवाल, मृगांक दुबे, अनूप तिवारी, नार सिंह, ओमप्रकाश दुबे आदि उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया पर रक्तदान महादान, मानव सेवा संस्थान ने किया प्रेरक आयोजन

जिला अस्पताल ब्लड बैंक में युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान, विशेषज्ञों ने बताया मानवता की सबसे बड़ी सेवा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर 'सेवा परमो धर्मः' की भावना के साथ मानव सेवा संस्थान सुपर मार्केट के तत्वावधान में जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। इस अवसर पर गीतांश मित्तल ने भी रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया। शिविर में मौजूद वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अल्ताफ ने कहा कि एक व्यक्ति द्वारा दिया गया रक्त कई जरूरतमंद लोगों की जिंदगी बचा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ व्यक्ति को प्रत्येक तीन माह में नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। प्रख्यात समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान वास्तव में महादान है। वर्तमान समय में युवाओं में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ी है और वे बढ़-चढ़कर इस पुण्य कार्य में हिस्सा ले रहे हैं। रक्तदान के माध्यम से हम जरूरतमंद और असहाय लोगों की सहायता कर सकते हैं।इस अवसर पर जिला अस्पताल के वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अल्ताफ, डॉ. बैसवार, डॉ. शिवकुमार (ईएनटी विशेषज्ञ), समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल, नगर पालिका परिषद के सभासद राजेश अग्रवाल, उमेश साहू, वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन राजेंद्र, लैब टेक्नीशियन संजय कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

विंध्य कन्या महाविद्यालय ने छपका में निशुल्क प्याऊ का किया उद्घाटन, भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. प्रसन्न पटेल ने की सराहना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विंध्य कन्या महाविद्यालय, राबर्ट्सगंज सोनभद्र द्वारा सोमवार को पंजाब नेशनल बैंक छपका, राबर्ट्सगंज में निशुल्क प्याऊ का उद्घाटन किया गया। प्याऊ का उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र के जिला उपाध्यक्ष डॉ. प्रसन्न पटेल द्वारा किया गया। डॉ. प्रसन्न पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि इस भीषण गर्मी और तपती धूप में निशुल्क प्याऊ के माध्यम से आम नागरिकों को पीने के पानी की व्यवस्था करना बहुत ही पुनीत और सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि विंध्य कन्या महाविद्यालय समय-समय पर ऐसे पुण्य कार्यों का आयोजन करता रहता है, जो समाज सेवा की मिसाल है। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजली विक्रम सिंह, डॉ. अजय कुमार सिंह, पंजाब नेशनल बैंक के मैनेजर इंद्र कुमार सिंह तथा महाविद्यालय के शिक्षकगण और कर्मचारी उपस्थित रहे। प्याऊ से राहगीरों, बैंक आने वाले ग्राहकों और आमजन को शीतल जल उपलब्ध होगा।

नवागंतुक जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने कार्यभार ग्रहण किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। नवागंतुक जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने आज कलेक्ट्रेट स्थित कोषागार में अपना कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना, पारदर्शी प्रशासन देना तथा जनता की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना उनके कार्यकाल का मुख्य उद्देश्य रहेगा। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई को प्राथमिकता दी जाएगी तथा आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा। इसके पश्चात उन्होंने कलेक्ट्रेट का भी निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि सरनीत कौर ब्रोका 2016 बैच की आई0ए0एस0 है जो मूलतः मध्य प्रदेश की निवासी हैं आई0ए0एस0 में आने के पश्चात आगरा, गोरखपुर, बस्ती, उन्नाव जनपदों में अपनी सेवायें दे चुकी है वर्तमान समय में निदेशक, बाल विकास पुष्टाहार के पद पर कार्यरत थी।

सलाम नमस्ते में सलाम सक्सेस का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आईएमएस

नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते में सलाम सक्सेस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के दौरान सीबीएसई दसवीं बोर्ड में सफल विद्यार्थियों ने अपनी सफलता की कहानी एवं बोर्ड परीक्षा की तैयारी पर चर्चा की। वहीं सलाम सक्सेस के दौरान आईएमएस के वाइस प्रिसिडेंट चिराग गुप्ता, सलाहकार प्रोफेसर (डॉ.) जेके शर्मा के साथ जेवेजी इंटरनेशनल स्कूल इंदिरापुरम के शिक्षक एवं छात्रों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। चिराग गुप्ता ने कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए किसी शॉर्टकट की तलाश नहीं करनी चाहिए। वास्तविक कामयाबी केवल मेहनत, लगन, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से ही प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे पाने के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास किए जाएं, तो सफलता अवश्य मिलती है। असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। लगातार मेहनत करने वाला व्यक्ति एक दिन निश्चित रूप से अपने सपनों को पूरा करता है और समाज में अपनी अलग पहचान बनाता है। योगित जैन ने बताया कि उन्होंने कक्षा 10वीं की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 99.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के सहयोग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत को दिया। योगित ने कहा कि नियमित पढ़ाई, सेल्फ स्टडी और समय प्रबंधन उनकी सफलता के मुख्य आधार रहे। उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाकर पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित किया। योगित का मानना है कि यदि लक्ष्य तय करके अनुशासन और समर्पण के साथ मेहनत की जाए, तो हर विद्यार्थी सफलता प्राप्त कर सकता है। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड बर्षा छबारिया ने बताया कि आज के कार्यक्रम के दौरान दसवीं बोर्ड में सक्सेस विद्यार्थियों ने अपनी सफलता की कहानी बताया। छात्रों ने बोर्ड परीक्षा की तैयारी, पीयर प्रेशर, ग्रुप स्टडी एवं समय प्रबंधन पर चर्चा की।

वहीं जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल की शिक्षिका पूजा गौतम ने बताया कि हमें खुशी है कि इस बार दसवीं बोर्ड में हमारे स्कूल के विद्यार्थियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। निश्चित तौर से जेकेजी प्रबंधन, प्रधानाचार्य, एवं सभी शिक्षकों एवं छात्रों ने अपना शत-प्रतिशत देकर राष्ट्रीय स्तर पर स्कूल का नाम गौरवान्वित किया।

सतना- 11 वर्षीय बच्चे की निर्मम हत्या, ड्रम में मिला शव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सतना। जिले के कोलगवां थाना

क्षेत्र से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 11 वर्षीय बच्चे की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपी ने बच्चे के शव को ड्रम में छिपा दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बच्चे की हत्या हसिये से गला रेतकर की गई है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। कोलगवां थाना प्रभारी सुदीप सोनी, एफएसएल अधिकारी डॉ. महेंद्र सिंह सहित पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद है और मामले की बारीकी से जांच कर रहे हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि आरोपी तक जल्द पहुंचा जा सके। फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है और जल्द ही मामले का खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है।

जागरूकता समावेशी सशक्तिकरण

'इंक्लूसिव होराइजन देहरादून समिट 2026' में डॉ. त्रिभुवन सिंह को मिला 'नेशनल आइकॉन ऑफ रिहैबिलिटेशन' सम्मान, समिट में छाया गर्व का क्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 70 फर्स्ट रिहैब फाउंडेशन द्वारा एसबीएन एकेडमी इंटर कॉलेज, देहरादून में आयोजित 'इंक्लूसिव होराइजन देहरादून समिट 2026' में पुनर्वास क्षेत्र के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. त्रिभुवन सिंहङ को उनके 27 वर्षों के अविरल सेवा कार्य के लिए 'नेशनल आइकॉन ऑफ रिहैबिलिटेशन' सम्मान से अलंकृत किया गया। सम्मान की घोषणा होते ही पूरा सभागार तालियों से गूँज उठा और यह पल पूरी टीम के लिए गर्व से भर देने वाला रहा। यह समिट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'स्वदेशी भारत' पहल के अंतर्गत फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन, नोएडा और विन्सम स्टेप्स, देहरादून द्वारा आयोजित की गई। समिट के तीन प्रमुख भाग रहेः-1. शोकेस गैलरीः विशेष आवश्यकता वाले युवाओं द्वारा व्यावसायिक प्रशिक्षण के अंतर्गत बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। इन उत्पादों में हैंड वॉश, साबुन, चॉकलेट, दीये व सजावटी सामान

शामिल थे, जिन्हें प्रतिभागियों द्वारा स्वयं बेचा भी गया। यह 'कौशल से आत्मनिर्भरता' का जीवंत उदाहरण बना। 2. पैरेंट ट्रेनिंग प्रोग्रामः दूसरे सत्र में दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों के लिए होम प्रोग्राम, दैनिक देखभाल व थेरेपी पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया। पुनर्वास क्षेत्र के विशेषज्ञों ने अभिभावकों के हर प्रश्न का समाधान किया और उन्हें घर पर निरंतर अभ्यास के लिए गाइड किया। 3. एक सम्मान माँ के नामः समिट का सबसे भावुक क्षण रहा तीसरा भाग - 'एक सम्मान माँ के नाम'। इस विशेष सत्र में दिव्यांग बच्चों की माताओं को उनके समर्पित, निःस्वार्थ और अथक परिश्रम के लिए मंच पर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन माँओं के त्याग और हौसले को समर्पित था जो हर दिन अपने बच्चों की ताकत बनती हैं। उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के कई पुनर्वास प्रोफेशनल्स, स्पेशल एजुकेटर्स व सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। 'इंक्लूसिव होराइजन समिट 2026' ने यह सिद्ध कर दिया कि जब जागरूकता, समावेशिता और सशक्तिकरण एक साथ आते हैं, तो समाज में वास्तविक बदलाव संभव है।

भगवा मय हुआ हनुमंत कथा मंगल कलश यात्रा मार्ग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति

के द्वारा बाबा बागेश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी की हनुमंत कथा मंगल कलश यात्रा भव्यता के साथ निकाली गई। मगंल कलश यात्रा का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एवं समिति के अध्यक्ष डा उदय प्रताप सिंह ने हनुमान जी की आरती और रामायण सीरियल के किरदार निभाने वाले राम सासंद अरूण गोविल,सीता दीपिका और लक्ष्मण सुनील लहरी जी का अभिनन्दन के साथ किया गया इस अवसर पर सांसद अरूण गोविल राम ने सभी का अभिवादन करते हुए कहा कि जिन पर हनुमंत लाल की कृपा हो जाती है उन पर प्रभु सिया राम की कृपा हो जाती है। दीपिका चिकिलिया सीता और लक्ष्मण सुनील लहरी ने प्रयाग उत्थान के द्वारा आयोजित बाबा बागेश्वर धाम पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी की राष्ट्र हनुमंत कथा के भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर हजारों की संख्या में महिलाएं पीत वस्त्र धारण कर जगत कल्याण के लिए कलश उठाया। यात्रा मार्ग में सामाजिक धार्मिक संगठन के कार्यकर्ताओं ने एवं व्यापारिक संगठनों के व्यापारियों ने मंगल कलश यात्रा का स्वागत किया और पुष्प वर्षा करते हुए हनुमान जी महाराज और रामायण सीरियल के राम सीता लक्ष्मण की आरती की। समिति के उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि मंगल कलश यात्रा में सतरंगी छंटा में दिव्य हनुमान जी की झांकी, पुणे का धमाल , मृदंग,मेरठ का बैंड बाजा, 11 घोड़े पर सवार घुड़सवार, हनुमान जी गणेश जी एवं दर्जनों शानदार झांकियां, शामिल रहेंगी। कलश यात्रा का शुभारंभ जमुना क्रिश्चियन इंटर कॉलेज से किया जाएगा जो गऊघाट पुलिस चौकी मुट्ठीगंज छोटा चौराहा मुट्ठीगंज बड़ा चौराहा राम भवन चौराहा सुलाकी चौराहा मानसरोवर चौराहा चंद्रलोक चौराहा से होते हुए श्री पथर चट्टी रामलीला कमेटी के प्रांगण में हनुमान जी की दिव्य आरती के साथ संपन्न किया गया। इस अवसर महापौर गणेश केसरवानी पूर्व पार्षद विजय वैश्य पार्षद कुसुमलता गुप्ता डा सुशील कुमार सिन्हा,उमेश चंद्र केसरवानी दादा, एवं कृष्ण भगवान केसरवानी ने आरती किया। मंगल कलश यात्रा का स्वागत किया और समिति के अध्यक्ष डॉ उदय प्रताप सिंह आए हुए सभी महिलाओं का और भक्तों का के प्रति आभार व्यक्त किया इस अवसर यात्रा का संचालन करते हुए महामंत्री अभिषेक ठाकुर ने बताया कि 21 अप्रैल को दोपहर 3 बजे अरैल माघ मेला क्षेत्र में बाबा बागेश्वर धाम पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी की हनुमंत कथा का शुभारंभ किया जाएगा। मंगल कलश यात्रा की अगुवाई-धीरेंद्र प्रताप सिंह, विनय प्रताप सिंह, राजेश केसरवानी शिवम अग्रहरी, रोशनी अग्रवाल, बबलू पांडे,गोपाल जी केसरवानी, प्रवीण केसरवानी, आलोक केसरवानी, शत्रुघ्न जायसवाल, अभिलाष केसरवानी,पार्षद रूद्रसेन जायसवाल, राकेश जायसवाल, निखिल पांडे, गगन दास गुप्ता, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, सुमित केसरवानी अनू ने किया। इस अवसर पर प्रयाग उत्थान समिति एवं अन्य सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता और हजारों की संख्या में भक्त गण शामिल हुए।

माटीकला के शिल्पकारों को उपकरण देने के लिए पंजीकरण शुरू,15 मई तक शिल्पकार माटीकला की वेबसाइट पर करें आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संतोष गौतम ने बताया है कि उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित माटीकला समन्वित विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत माटीकला टूल किट्स वितरण रोजगार योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए माटीकला के शिल्पकारों को उपकरण देने के लिए पंजीकरण शुरू किया गया है। जिसमें माटीकला से जुड़े हुये प्रजापति (कुम्हार) जाति के व्यक्तियों को माटीकला से सम्बन्धित परम्परागत व प्रशिक्षित कारीगरों को विद्युत चालित चाक का निःशुल्क वितरण किया जाना है। योजना के अन्तर्गत उद्यम संचालित एवं टूल किट्स प्राप्त करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के इच्छुक अभ्यर्थी जिनकी आयु 18 वर्ष से 55 वर्ष के मध्य हो, ऐसे शिल्पकार 15 मई 2026 तक माटीकला की वेबसाइट- https://upmatikalaboard.in/ पर आनलाइन आवेदन किया जा सकता है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया है कि ऑनलाइन आवेदन करने के पश्चात हार्ड कापी एवं आवश्यक प्रपत्र कार्यालय जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, पुरानी तहसील सदर, रायबरेली में जमा करनी होगी। इस योजना के तहत एक परिवार का व्यक्ति पात्र होगा, जिन्हें पहले इसका लाभ मिल चुका है, वे पात्र नहीं होगें। कार्यालय में हार्ड कॉपी जमा करते समय ऑनलाइन किये गये आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी, पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता राशन कार्ड, बैंक पास बुक के साथ किसी भी कार्यालय दिवस में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है। इस योजना की विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय कार्य दिवस में कार्यालय जिला ग्रामोद्योग अधिकारी से श्री अशोक कुमार मोबाईल नं0-7408410810, 9415958138 से सम्पर्क किया जा सकता है।

15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण के लिए 10 मई तक ऑनलाइन करें आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संतोष गौतम ने बताया है कि उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित माटीकला समन्वित विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत माटीकला कौशल विकास योजना के अंतर्गत 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए माटीकला के कारीगरों/शिल्पियों को अपना उद्यम संचालित करना सुगम हो सके। इस उद्देश्य से उनमें निहित कौशल के विकास हेतु माटीकला कौशल विकास योजना संचालित किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाना, सजावटी वस्तुएं बनाना, मिट्टी के उत्पादों पर कटिंग-पच्चीकारी, चित्रकारी-नक्काशी आदि विधाओं से संबंधित 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण पूर्णतः आवासीय होगा तथा प्रशिक्षण अवधि में रु0-250.00 प्रतिदिन की दर से प्रशिक्षु वृत्ति भी प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को प्रदान की जायेगी। 10 मई 2026 तक माटीकला की वेबसाइट- https://upmatikalaboard.in/ पर आनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इस योजना की विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय कार्य दिवस में कार्यालय जिला ग्रामोद्योग अधिकारी से श्री अशोक कुमार के मोबाईल नं0-9415958138, से सम्पर्क किया जा सकता है।

आईएमएस लॉ कॉलेज में पर्सनैलिटी राइट्स विषय पर व्याख्यान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आईएमएस लॉ कॉलेज में पर्सनैलिटी राइट्स विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बतौर वक्ता विधि विशेषज्ञ एवं अधिवक्ता अंकिता शर्मा ने अपने विचार प्रकट किए। आज के विशेष सत्र का मुख्य विषय 'डिजिटल युग में पहचान, निजता एवं व्यावसायिक दुरुपयोग की समझ' रहा, जिसमें छात्रों एवं संकाय सदस्यों को व्यक्तित्व अधिकारों, गोपनीयता संरक्षण तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर व्यक्तित्व के व्यावसायिक उपयोग से जुड़े कानूनी पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। वहीं कार्यक्रम के दौरान आईएमएस के सलाहकार प्रोफेसर (डॉ.) जेके शर्मा, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. गोविंद प्रसाद गोयल, विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन के साथ शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज करायी। अधिवक्ता अंकिता शर्मा ने अपने संबोधन में व्यक्तित्व अधिकारों के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पहचान, नाम, छवि और प्रतिष्ठा पर अधिकार है, जिसकी रक्षा कानून द्वारा की जाती है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव के कारण बिना अनुमति किसी की तस्वीर, नाम या पहचान का व्यावसायिक उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने भारतीय कानून में उपलब्ध विभिन्न कानूनी उपायों, न्यायालयों के निर्णयों तथा निजता के अधिकार के माध्यम से व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी। प्रोफेसर (डॉ.) जेके शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों को समकालीन कानूनी विषयों की जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में व्यक्तित्व अधिकार, निजता संरक्षण तथा साइबर कानून जैसे विषय तेजी से महत्व प्राप्त कर रहे हैं, इसलिए छात्रों को इनके व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ उनके आत्मविश्वास और विश्लेषण क्षमता को भी मजबूत करते हैं। इससे छात्र भविष्य की कानूनी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बनते हैं। डॉ. गोविंद प्रसाद गोयल ने बताया कि आईएमएस लॉ कॉलेज के आईपीआर क्लब के नेतृत्व में आयोजित यह विशेष कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि सत्र का प्रमुख विषय 'डिजिटल युग में पहचान, निजता एवं व्यावसायिक दुरुपयोग की समझ' रहा। आईपीआर क्लब के हेड डॉ. सचिन गोयल ने बताया कि आज के कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को व्यक्तित्व अधिकारों के महत्व, निजी जानकारी की सुरक्षा तथा ऑनलाइन मंचों पर किसी की पहचान, नाम और छवि के अनुचित व्यावसायिक उपयोग से जुड़े कानूनी पक्षों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को समकालीन कानूनी चुनौतियों के प्रति जागरूक और संवेदनशील बनाया।

माह मई एवं जून में जनपद न्यायालय का समय सुबह 07 से 01 बजे तक निर्धारित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह ने बताया है कि मा0 न्यायालय के अनुसार प्रत्येक वर्ष मई और जून माह में सुबह की अदालत का समय सुबह 07:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक निर्धारित किया गया है (जिसमें सुबह 10:30 बजे से 11:00 बजे तक अवकाश रहेगा)। इस न्यायपालिका के बार एसोसिएशनों ने भीषण गर्मी के कारण मई और जून 2026 में भी सुबह की अदालतें चलाने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए जनपद न्यायपालिका में 01 मई 2026 से 30 जून 2026 तक न्यायालय/कार्यालय का समय निर्धारित किया गया है। जिसमें अधिकारी और कर्मचारी सुबह 06:30 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक न्यायालय/कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। अदालत का समय सुबह 07:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक रहेगा, जिसमें सुबह 10:30 बजे से 11:00 बजे तक दोपहर के भोजन का अवकाश होगा।

गर्मी एवं हीटवेव के दृष्टिगत बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित परिषदीय विद्यालयों के समय में बदलाव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला बेसिक शिक्षा

अधिकारी रायबरेली राहुल सिंह ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार जनपद में गर्मी एवं हीटवेव के दृष्टिगत बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित परिषदीय विद्यालय प्रातः 07:30 बजे से अपराह्न 01:30 बजे तक संचालित किये जायेगें। विद्यालय पठन-पाठन हेतु छात्र-छात्राएं प्रातः 07:30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक उपस्थित रहेंगे तथा विद्यालय में प्रार्थना सभा/योगाभ्यास प्रातः 07:30 बजे से 07:40 बजे तक मध्यावकाश प्रातः 10:00 बजे से 10:15 बजे तक रहेगा। उपरोक्त के क्रम में शिक्षक/शिक्षमित्र/अनुदेशक/शिक्षणेत्तर कर्मचारी, प्रशासकय एवं अन्य कार्यों को पूर्ण करेगें। तदक्रम में मान्यता प्राप्त विद्यालयों हेतु विद्यालय प्रबन्ध समिति यथावश्यक निर्णय लेने के अधिकृत होगी।

24 व 25 अप्रैल को जनपद न्यायालय रहेगा बंद,25 जुलाई व 22 अगस्त को जनपद न्यायालय रहेगा खुला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह ने बताया है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के जिला न्यायपालिका में "न्यायिक अधिकारियों की खेल प्रतियोगिता" के कारण 24 अप्रैल, 2026 (शुक्रवार) और 25 अप्रैल, 2026 (चौथा शनिवार) को अवकाश घोषित किया गया है और यह निर्देश दिया गया है कि इसके बदले में किन्हीं दो चौथे शनिवारों को कार्य दिवस घोषित किया जाए। उन्होंने बताया कि उपरोक्त के अनुपालन में, न्यायिक अधिकारियों की खेल प्रतियोगिता के कारण इस न्यायपालिका के सभी न्यायालय 24 अप्रैल 2026 (शुक्रवार) और 25 अप्रैल 2026 (चौथा शनिवार) को बंद रहेंगे। इसके अतिरिक्त, इस न्यायपालिका के सभी न्यायालय 25 जुलाई 2026 (चौथा शनिवार) और 22 अगस्त 2026 (चौथा शनिवार) को न्यायिक कार्य के लिए खुले रहेंगे।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम में आंशिक संशोधन, 10 जून को होगा अंतिम प्रकाशन

डुप्लीकेशन और कंप्यूटरीकरण की प्रक्रिया 21 अप्रैल से होगी शुरू, अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे कार्यालय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला

मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पं0) श्री बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि जनपद सोनभद्र की त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण हेतु पूर्व निर्गत संशोधित सार्वजनिक सूचना आंशिक संशोधन किया गया है मतदाताओं के डूब्लीकेशन एवं कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही 21 अप्रैल 2026 से 28 मई 2026 तक, कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग मतदाता क्रमांकन आंवटन मतदाता सूची की डाउनलोडिंग फोटो प्रतियां कराने आदि, निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन 10 जून 2026 को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रमुख स्थानीय समाचार पत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जायेगा तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु समस्त सम्बन्धित कार्यालयों के सूचना-पट्ट पर भी यह कार्यक्रम प्रदर्शित किये जायेंगे। निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे तथा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्यवाही पूर्ण करायी जाएगी। आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए निर्धारित समय सारणी के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के Deduplication के कार्य सम्पन्न कराये जायेंगे। पूर्व निर्गत संशोधित सार्वजनिक को यथा संशोधित समझा जाए।

आगामी गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2027 को पद्म विभूषण, पद्म भूषण तथा पद्म श्री की उपाधियों हेतु करे ऑनलाइन आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला युवा कल्याण

अधिकारी ने अवगत कराया है कि विगत वर्षों की भाँति आगामी गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2027 को पद्म विभूषण, पद्म भूषण तथा पद्म श्री की उपाधियाँ भारत सरकार द्वारा दी जानी है। आगामी वर्ष 2027 हेतु भी भारत सरकार द्वारा उक्त उपाधियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था की गयी है, जिसके फलस्वरूप सम्बन्धित महानुभाव/महानुभावों के बारे में संस्तुतियाँ राज्य सरकार द्वारा ऑनलाइन भारत सरकार को भेजी जानी है। उपाधियों हेतु विभिन्न क्षेत्रों यथा कला. साहित्य एवं शिक्षा, खेल, औषधि, सामाजिक कार्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पब्लिक अफेयर्स, सिविल सेवा, व्यापार व उद्योग आदि में विशिष्ट व उत्कृष्ट उपलब्धि, योगदान एवं सेवा के लिए संस्तुतियाँ अपेक्षित है। उपाधियों के लिए जनपद के इच्छुक महानुभाव www.padmaawards.gov.in dh Padma Awards 2027 पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं तथा आवेदन फाइनल सब्मिट करने के उपरान्त हॉर्ड कापी तथा उनके व्यक्तित्व व कृतित्व के सम्बन्ध में साइटेशन (तीन प्रतियों में) जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, कमरा नं0-68 सोनभद्र में दिनांक 10 जून, 2026 तक उपलब्ध करायें, ताकि ससमय अग्रेतर कार्यवाही की जा सके।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना स्वरोजगार हेतु 10 लाख तक के ऋण के लिए करे आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला ग्रामोद्योग

अधिकारी श्री गौतम त्रिपाठी ने अवगत कराया है कि 30 प्र0 सरकार द्वारा मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना संचालित की जा रही है जिसमे अधिकतम 10.00 लाख तक का ऋण स्थानीय बैंको के माध्यम से दिये जाने का प्राविधान हैं। योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु खादी ग्रामोद्योग विभाग सोनभद्र को 10 इकाई का लक्ष्य प्राप्त है। इस योजना मे आरक्षित वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियो को प्रोजेक्ट लागत का 5 एवं सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियो को प्रोजेक्ट लागत का 10 धनराशि स्वयं वहन करना होगा। उक्त योजना के अन्तर्गत वितरित पूँजीगत ऋण पर सामान्य वर्ग के पुरुष उद्यमी द्वारा 4: ब्याज स्वयं वहन करना पड़ता है। शेष ब्याज विभाग द्वारा वहन किया जायेगा, तथा आरक्षित वर्ग के उद्यमियो को वितरित ऋण पूँजीगत पर सम्पूर्ण ब्याज विभाग द्वारा वहन किया जायेगा। योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार इच्छुक नवयुवक/नवयुवतियों विभिन्न प्रकार की उद्योगो की स्थापना के लिये मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के वेबसाइड पर अपना ऋण आवेदन पत्र आनलाईन कर सकते है। आनलाईन करने के उपरान्त उसकी हार्ड कापी मिशन अस्पताल के पास पिपरी रोड जिला ग्रामोद्योग कार्यालय सोनभद्र को उपलब्ध कराना होगा। यदि आनलाईन मे कोई समस्या आती है तो जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सोनभद्र के सी0 यू0 जी0 न0 9580503175/9451083252 पर सम्पर्क कर सकते है।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण का प्रशिक्षण शुरू

नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने किया शुभारम्भ, तीन बैचों में चलेगा प्रशिक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण हेतु सोमवार को नगर पालिका परिषद

सोनभद्र के शेल्टर हाउस में प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्ष रूबी प्रसाद द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकान गणना अनुसूची हेतु जनगणना कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जाना है। यह प्रशिक्षण जनगणना अधिकारी नोडल जनपद सोनभद्र प्रियांशा सिंह की अध्यक्षता में चलाया जाएगा। प्रशिक्षक के रूप में लेखपाल हृदयेश कुमार मौर्य एवं लेखपाल अरविन्द सिंह द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण तीन बैचों में चलेगा। पहला बैच 20, 21, 22 अप्रैल, दूसरा बैच 23, 24, 25 अप्रैल एवं तीसरा बैच 27, 28, 29 अप्रैल तक चलेगा। इसके बाद कार्मिकों द्वारा डोर-टू-डोर मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य किया जाएगा। नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने उपस्थित सभी जनगणना कार्मिकों से पूरे लगन एवं तन्मयता के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने और भारत सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रम जनगणना-2027 को सफल बनाने का आह्वान किया। शुभारम्भ अवसर पर अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार, खण्ड विकास अधिकारी, जलकल पर्यवेक्षक/जनगणना लिपिक विमलेश लाल, कम्प्यूटर आपरेटर विजय कुमार, वरुणावेश शुक्ला आदि पालिका के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया पर विशेष अभियान- मुकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में चाइल्ड लाइन की तत्परता से टले दो बाल विवाह

नाबालिग बच्चियां बचाई गईं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोमवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर चलाए जा

रहे विशेष बाल विवाह रोकथाम अभियान के तहत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की मदद से रायपुर और रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्रों में दो नाबालिग बच्चियों

का बाल विवाह होने से रोका गया। दोनों मामलों में चाइल्ड लाइन यूनिट ने पुलिस के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुए बच्चियों को सुरक्षित किया। रायपुर थाना क्षेत्र से मिली सूचना पर टीम मौके पर पहुंची। बच्ची की उम्र संबंधी दस्तावेज मांगे जाने पर परिजन साक्ष्य प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे। प्रथम दृष्टया बालिका नाबालिग प्रतीत होने पर टीम ने तत्काल रेस्क्यू कर उसे रायपुर थाने पहुंचाया और बाल गृह में आवासित कराया गया। इस कार्यवाही में परियोजना समन्वयक मुकेश सिंह, पर्यवेक्षक सुधा गिरी, काउंसलर अमन सोनकर और रायपुर पुलिस टीम शामिल रही। इसी क्रम में रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र से भी एक नाबालिग बच्ची को संरक्षित किया गया। इस बच्ची का रेस्क्यू टीम सदस्य सीमा शर्मा, सत्यम चौरसिया एवं दीपिका सिंह द्वारा किया गया। रेस्क्यू के बाद बालिका को बाल कल्याण समिति सीडब्लूसी के समक्ष प्रस्तुत किया गया और समिति के आदेश पर बाल गृह में सुरक्षित आवासित कराया गया है। परियोजना समन्वयक मुकेश सिंह ने बताया कि अक्षय तृतीया पर बाल विवाह की आशंका को देखते हुए जिले में चाइल्ड हेल्पलाइन एवं पुलिस द्वारा विशेष सतर्कता बरतते हुए संयुक्त कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि कानूनन विवाह के लिए लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लड़के की 21 वर्ष निर्धारित है। बाल विवाह में शामिल माता-पिता, रिश्तेदार तथा विवाह संपन्न कराने वाले पंडित आदि के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अपीलः यदि आपके आसपास कहीं बाल विवाह होने की जानकारी मिले तो तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1098 पर सूचना दें। आपकी एक कॉल किसी बच्ची का भविष्य बचा सकती है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Enjoy Publicity
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

तिलक का 45 गेंद में शतक, जयसूर्या की बराबरी की,बुमराह को पहली बॉल पर विकेट,मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स

अहमदाबाद। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2026 के 30वें मैच

में गुजरात टाइटंस को 99 रन से हरा दिया। अहमदाबाद में तिलक वर्मा ने 45 गेंदों में शतक लगाकर सनथ जयसूर्या के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। यह इस सीजन की सबसे तेज सेंचुरी भी रही। जसप्रीत बुमराह ने पहली ही गेंद पर विकेट लिया।एमआई बनाम जीटी मैच के टॉप मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स- 1. तिलक वर्मा का 45 बॉल पर शतक-मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल में सबसे तेज शतक के मामले में तिलक वर्मा ने सनथ जयसूर्या की बराबरी की। दोनों ने 45-45 गेंदों में शतक जड़ा।

इस लिस्ट में कैमरन ग्रीन (47 गेंद) और सूर्यकुमार यादव (49 गेंद) भी हैं। तिलक गुजरात के खिलाफ मुंबई के लिए शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। उनसे पहले सूर्यकुमार यादव ने 2023 में वानखेड़े में नाबाद 103 रन बनाए थे। तिलक ने इस सीजन की फास्टेस्ट सेंचुरी भी लगाई। चेन्नई के संजू सैमसन ने 52 और मुंबई के क्विंटन डी कॉक ने 53 बॉल पर शतक लगाया था। 2. मुंबई की चौथी सबसे बड़ी जीत-मुंबई इंडियंस ने 99 रन से जीत दर्ज करते हुए आईपीएल इतिहास में अपनी चौथी सबसे बड़ी जीत हासिल की। टीम की सबसे बड़ी जीत 2017 में दिल्ली डेयरडेविल्स के खिलाफ 146 रन से आई थी। यहां से टॉप-6 मोमेंट्स-1. दानिश और कृष का टी-20 डेब्यू- मुंबई इंडियंस के लिए दो नए खिलाड़ियों ने डेब्यू किया। दानिश मलेवार ने पहला मुकाबला खेला, वहीं हाल ही में सपोर्ट बॉलर के रूप में शामिल कृष भगत को भी प्लेइंग इलेवन में जगह मिली।

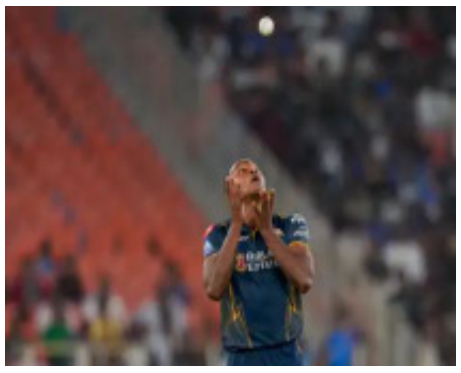

दोनों ने इससे पहले कोई टी-20 मैच नहीं खेला था, यानी यह उनके प्रोफेशनल टी-20 करियर का पहला मैच रहा। 2. रबाडा ने अपनी ही बॉल पर लपका डी कॉक का कैच-चौथे ओवर में कगिसो रबाडा ने क्विंटन डी कॉक को कॉट एंड बोल्ड किया। रबाडा ने करीब 150 की रफ्तार से शॉर्ट बॉल फेंकी। डी कॉक शॉट मारने में संतुलन खो बैठे। बॉल टॉप एज लेकर हवा में गई और रबाडा ने खुद कैच लपक लिया। 3. रबाडा की 152 किमी/घंटा की रफ्तार पर सूर्या क्लीन बोल्ड-छठे ओवर में रबाडा ने सूर्यकुमार यादव को क्लीन बोल्ड किया। रबाडा ने 152.1 किमी/घंटा की रफ्तार से बॉल फेंकी, जो पिच होकर अंदर आई। सूर्या ड्राइव के प्रयास में पेस से चकमा खा गए और बॉल स्टंप्स से टकरा गई। 4. आखिरी बॉल पर चौके से तिलक का शतक- 20वें ओवर की आखिरी बॉल पर तिलक वर्मा ने चौका जड़कर आईपीएल में पहला शतक पूरा किया। प्रसिद्ध कृष्णा ने धीमी और शॉर्ट बॉल फेंकी। तिलक ने डीप स्क्वायर लेग में गैप ढूंढकर चौका लगाया। 5. बुमराह ने साई सुदर्शन को कैच कराया-जसप्रीत बुमराह ने पहली ही बॉल पर विकेट लिया। उन्होंने गुजरात के इन-फॉर्म बल्लेबाज साई सुदर्शन को कृष्ण भगत के हाथों कैच आउट कराया। बुमराह ने फुल लेंथ बॉल फेंकी जो बाहर निकली। सुदर्शन ने बिना पैरों के मूवमेंट के कवर्स के ऊपर से स्लाइस करने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले के निचले हिस्से पर लगकर कवर-पॉइंट पर खड़े फील्डर के पास गई। बुमराह को आईपीएल में 146 गेंदों के इंतजार के बाद यह सफलता मिली। इस सीजन में 114 गेंदों के बाद यह उनका पहला विकेट था। सुदर्शन बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। 6. सैंटनर और अश्विनी को एक ओवर में 2-2 विकेट-8वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने दो विकेट झटके। उन्होंने ओवर की दूसरी बॉल पर वॉशिंगटन सुंदर (26) को नमन धीर के हाथों कैच कराया, और फिर चौथी बॉल पर ग्लेन फिलिप्स (6) का अपनी ही गेंद पर शानदार कैच लपका। वहीं, 13वें ओवर में अपना सीजन का पहला मैच खेल रहे अश्विनी कुमार ने भी दो विकेट चटकाए। दूसरी बॉल पर उन्होंने राशिद खान (4) को राज बावा के हाथों कैच कराया। इसके बाद आखिरी बॉल पर शाहरुख खान स्लोअर बॉल पर नमन धीर को कैच थमा बैठे।

जेद्दा में क्रिकेट स्टेडियम बनाएगा पाकिस्तानी बोर्ड,गवर्निंग बोर्ड ने प्रस्ताव को मंजूरी दी-पीएसएल के मैच कराने का प्लान है

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सऊदी अरब के जेद्दा में क्रिकेट स्टेडियम बनाने जा रहा है। पीसीबी और सऊदी अरब क्रिकेट फेडरेशन के बीच बातचीत चल रही है। पीसीबी के गवर्निंग बोर्ड ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। चेयरमैन मोहसिन नक़वी सऊदी अधिकारियों के साथ इस पर चर्चा कर रहे हैं। स्टेडियम निर्माण के लिए पाकिस्तानी बोर्ड ने दिलचस्पी जाहिर (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट) कर दी है। इसका उद्देश्य सऊदी अरब में क्रिकेट को बढ़ावा देना है। स्टेडियम के लिए सही जगह की तलाश की जा रही है। इसमें फ्लडलाइट और बड़ी संख्या में दर्शकों के बैठने की आधुनिक सुविधाएं होंगी। हालांकि, प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए फाइनल एग्रीमेंट साइन होना बाकी है।सऊदी अरब में पाकिस्तान और अन्य साउथ एशियन कंट्रीज के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। इसे देखते हुए पीसीबी वहां क्रिकेट को लोकप्रिय बनाना चाहता है। स्टेडियम तैयार होने पर पीएसएल के मैच दुबई और अबू धाबी के बजाय सऊदी अरब में भी कराए जा सकते हैं। पीएसएल का मौजूदा सीजन लाहौर और कराची में खेला जा रहा है। इसका पिछला खिताब लाहौर कलंदर्स ने जीता था। सऊदी अरब पिछले कुछ समय से खेलों में भारी निवेश कर रहा है। वहां के अधिकारियों ने पीसीबी से इस प्रोजेक्ट के लिए संपर्क किया था। सऊदी अरब अपनी टी-20 लीग शुरू करने की संभावनाओं पर विचार कर रहा है। पाकिस्तान ने कहा है कि बेहतर रिश्तों के चलते वे इस प्रोजेक्ट में तकनीकी और रणनीतिक मदद देने के लिए तैयार हैं। अभी दुनिया भर में 10 से अधिक देश खुद की टी-20 लीग करा रहे हैं। अब तक मिडिल ईस्ट में यूएई (दुबई, अबू धाबी और शारजाह) इंटरनेशनल क्रिकेट का सबसे बड़ा सेंटर रहा है। पाकिस्तान ने लंबे समय तक अपने 'होम मैच' यहीं खेले हैं। सऊदी अरब की इस पहल से क्षेत्र में नया क्रिकेट सेंटर उभर सकता है। जेद्दा में स्टेडियम बनने से भविष्य में एशिया कप और अन्य बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स के आयोजन का रास्ता साफ हो सकता है।

जोकोविच बोले- कोहली के कारण क्रिकेट फॉलो करता हूं,जल्द भारत आऊंगा

नयी दिल्ली। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने विराट कोहली को अपना क्रिकेट हीरो बताया है। 2026 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स के दौरान जोकोविच ने खुलासा किया कि क्रिकेट में उनकी दिलचस्पी कोहली की वजह से ही शुरू हुई। उन्होंने कहा, 'हां विराट दोस?त हैं और ऐसे शख?स हैं जिनका मैं सम?मान करता हूं। ईमानदारी से कहूं तो वे ही कारण है कि मैंने क्रिकेट फॉलो करना शुरू किया। पहले मैं क्रिकेट नहीं फॉलो करता था, लेकिन कोहली के कारण मैंने इसे देखना शुरू किया। हम संपर्क में रहते हैं। उम?मीद है कि जब मैं भारत आऊंगा तो वो मेरे साथ जुड़ेंगे। हम कुछ क्रिकेट और कुछ टेनिस खेलेंगे, आनंद लेंगे और खेल का जश्न मनाते हुए सकारात्मक ऊर्जा फैलाएंगे। मैं जल्द भारत आऊंगा भारत आने को लेकर जोकोविच ने कहा, मेरा संदेश हमेशा से यह है कि भारतीय फैंस और दुनियाभर के फैंस से मिलने वाले समर्थन की कद्र, सम?मान और प?यार है। मैं जल्द भारत आऊंगा, क?योंकि मैं वहां जाना चाहता हूं। पिछले कुछ सालों से मेरे मन में भावना है कि भारत की यात्रा करना है। उन्होंने आगे कहा, मुझे वाकई उम?मीद है कि एक समारोह के लिए भारत आऊंगा और कोई मैच या कुछ तो जरूर खेलूंगा। मेरी यह चाहत है क्योंकि मैं भारतीय लोगों से खुद को करीब महसूस करता हूं। अल्काराज-सबालेंका बेस्ट प्लेयर्स 22 साल के कार्लोस अलकराज को लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर का अवॉर्ड मिला। इस अवॉर्ड के बाद उन्होंने कहा कि ये सम्मान उनके लिए खास है क्योंकि वे अब लियोनल मेसी, रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल जैसे दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। विमेंस कैटेगरी में एरिना सबालेंका को स्पोर्ट्सविमेन ऑफ द ईयर का अवॉर्ड मिला।

पंखे आग उगलते हैं, रात में भी राहत क्यों नहीं,भारत की गर्म रातें कैसे बन रहीं साइलेंट किलर- इससे कैसे बचें

नयी दिल्ली। भारत में गर्मी का मतलब अब सिर्फ दोपहर की झुलसाने वाली धूप नहीं रह गया है। अब सूरज ढलने के बाद भी राहत नहीं मिलती। रात 11 बजे भी दीवारें गर्म

रहती हैं, पंखे गर्म हवा फेंकते हैं और कूलर-एसी भी कई बार बेअसर लगते हैं। वैज्ञानिक इसे 'वार्म नाइट्स' कहते हैं। इन गर्म रातों का असर सीधे दिल, किडनी और नींद पर पड़ रहा है। देश के 734 जिलों में से 57फीसदी जिले अब हाई या बहुत हाई हीट रिस्क जोन में आ चुके हैं, जहां करीब 76फीसदी आबादी रहती है। विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल-1: 'वार्म नाइट' क्या है और यह पहले से अलग क्यों है? जवाबः

भारतीय मौसम विभाग, यानी आईएमडी के मुताबिक जब रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा हो जाए, तो उसे 'वार्म नाइट' कहते हैं। अगर यह फासला इससे भी ज्यादा हो, तो मामला 'बेहद गंभीर' श्रेणी में आ जाता है। पहले हीट वेव का मतलब था- दिन में 40से. पार करने वाली लू। उससे बचने के तरीके थे- छांव, पानी, घर के अंदर रहो। लेकिन वार्म नाइट में घर भी दुश्मन बन जाता है। दिनभर कंक्रीट की दीवारें और सीमेंट की छत धूप को अपने अंदर सोखती रहती हैं। जब सूरज ढलता है, तो वही गर्मी धीरे-धीरे बाहर निकलने लगती है। ठीक उस वक्त जब आप सोने की कोशिश कर रहे होते हैं। नतीजा? रात 11 बजे भी दीवार को हाथ लगाओ, तो वह गर्म मिलती है और पंखे आग उगलते हैं। पिछले कुछ सालों में वार्म नाइट्स तेजी से बढ़ी हैं...2025 में पब्लिश साइंस डायरेक्ट की स्टडी बताती है कि 1980 से 2020 के बीच भारत में वार्म नाइट्स की संख्या हर दशक में 8 दिन तक बढ़ गई है, खासकर उत्तर-पूर्व, उत्तर-पश्चिम और दक्षिण भारत में। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरमेंट एंड वाटर, यानी सीईईडब्लू 2025 के मुताबिक, बड़े शहरों में यह तेजी से बढ़ रही है। पिछले एक दशक में देश के 70फीसदी जिलों में गर्मियों में 5 से ज्यादा वार्म नाइट्स बढ़ी हैं, जबकि गर्म दिनों में ऐसी बढ़ोतरी सिर्फ 28फीसदी जिलों में हुई है। 2012 से 2022 के बीच गर्मियों में बहुत गर्म रातों की संख्या तेजी से बढ़ी हैं। मुंबई में 15, बेंगलुरु में 11, भोपाल में 7, जयपुर में 7 और दिल्ली में 6 रातें ज्यादा गर्म रही हैं। 2025 ने तो सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। फरवरी 2025 में ही 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रात का तापमान सामान्य से कम से कम 1से. ऊपर दर्ज हुआ। इनमें से 22 राज्यों में तापमान 3से. से 5से. तक अधिक था। पिछले एक दशक में भारतीय शहरों में वार्म नाइट्स की संख्या 32फीसदी बढ़ चुकी है। सवाल-2: बढ़ती वार्म नाइट्स के पीछे असली वजह क्या है? जवाबः रात की बढ़ती गर्मी के लिए 3 बड़ी वजहें जिम्मेदार हैं- 60फीसदी जिम्मेदारी कंक्रीट की इमारतें और सड़कें-मिट्टी और घास पर पड़ी धूप तुरंत रिफ्लेक्ट हो जाती है। लेकिन कंक्रीट और सीमेंट उसे घंटों तक भीतर बंद रखते हैं। शहर में ऊंची इमारतें हवा के रास्ते को रोक देती हैं, जिससे गर्मी गलियों के बीच ही कैद होकर रह जाती है। इसे 'अर्बन हीट आइलैंड' कहते हैं। भोपाल-कटक जैसे तेजी से बढ़ रहे शहरों में रात के समय यह प्रभाव हर दशक में 0.13 से 0.18 डिग्री तक बढ़ रहा है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, कानपुर, गुरुग्राम और लखनऊ जैसे शहर इसकी सबसे बड़ी चपेट में हैं। हवा में बढ़ती नमी और उमस-सीईईडब्लू के मुताबिक उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में पिछले 10 साल में नमी का स्तर 10फीसदी बढ़ा है। दिल्ली, जयपुर और कानपुर जैसे शहर, जो कभी सूखी गर्मी के लिए जाने जाते थे, अब उमस की चपेट में हैं। यहां नमी 40फीसदी से बढ़कर 50फीसदी तक पहुंच गई है। नमी बढ़ने से पसीना नहीं सूखता, जिससे शरीर का नेचुरल कूलिंग सिस्टम फेल हो जाता है। इससे असल तापमान से 3 से 5से. ज्यादा गर्मी लगती है। ग्लोबल वार्मिंग और पेड़ों की कमी - 2015 पेरिस समझौते में तय हुआ था कि हम धरती के तापमान को 1.5से. से ज्यादा नहीं बढ़ने देंगे। करीब 250 साल पहले जब दुनिया में बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां, गाड़ियां और कोयले का धुआं नहीं था। तब धरती का जो तापमान था,

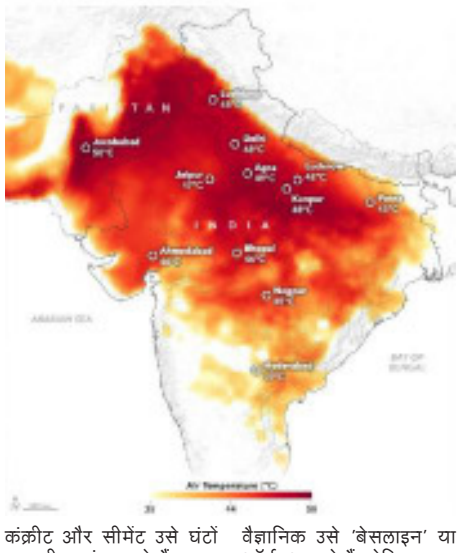

वैज्ञानिक उसे 'बेसलाइन' या 'नॉर्मल' मानते हैं। लेकिन 2026 में धरती नॉर्मल से 1.44 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म हो चुकी है। कनाडा की सरकारी एजेंसी ईसीसीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2026 इस खतरे के निशान के बेहद करीब होगा। 2026 लगातार 13वां ऐसा साल होगा, जब दुनिया का तापमान नॉर्मल से 1 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा होगा। हालांकि 1.5 डिग्री सेल्सियस पार करने की संभावना सिर्फ 12फीसदी है। साल के अंत में अल-नीनो की वापसी की संभावना है। इसका सीधा मतलब है कि 2027 में गर्मी के ऐसे रिकॉर्ड टूटेंगे, जो हमने पिछले 100 सालों में नहीं देखे। सवाल-3: रातें गर्म होने से सेहत पर क्या असर पड़ता है? जवाबः सीईईडब्लू यानी काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायर्नमेंट एंड वाटर के मुताबिक, रात की गर्मी एक 'साइलेंट किलर' की तरह काम करती है- शरीर की कूलिंग प्रणाली ठप हो जाती है: मानव शरीर का तापमान 37से. होता है। रात में बाहर ठंडक होती है, तो शरीर को ठीक होने का वक्त मिलता है। लेकिन रात का तापमान 25से. से नीचे न गिरे, तो शरीर खुद को रिकवर नहीं कर पाता। इसे 'हीट स्ट्रेस' कहते हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 2100 तक अत्यधिक गर्म रातों से मौत का खतरा लगभग छह गुना बढ़ जाएगा। दिल पर सीधा हमला: जब शरीर रात में ठंडा नहीं होता, तो दिल को शरीर का तापमान कम करने के लिए लगातार अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और नींद के दौरान 'साइलेंट हार्ट अटैक' या हार्ट फेलियर का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। नींद की बर्बादी: जब रात का तापमान 27से. से ऊपर जाता है, तो नींद के सबसे जरूरी हिस्से- आरईएम स्लीप और डीप स्लीप बर्बाद होने लगते हैं। दिन की भीषण गर्मी के बाद गर्म रातें नींद की फिजियोलॉजी को सीधे बाधित करती हैं, जिससे स्वास्थ्य के गंभीर खतरे पैदा होते हैं। याददाश्त कमजोर होना, चिड़चिड़ापन, डिप्रेशनष्ठ ये सब गर्म रातों की लंबी कीमत हैं। सवाल-4: वार्म नाइट्स से आर्थिक असर क्या होगा? जवाबः गर्म रातें सेहत के साथ-साथ हमारे और देश के आर्थिक विकास में दिक्कतें खड़ी कर सकती ह. एसी की बढ़ती डिमांड: कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के इंडिया एनर्जी एंड क्लाइमेट सेंटर यानी आईईसीसी के मुताबिक, भारत में हर साल करीब 1.5 करोड़ नए एसी खरीदे जा रहे हैं। अगले 10 सालों में भारत में लोग 13 से 15 करोड़ नए एसी खरीदेंगे, जो बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में सबसे ज्यादा है। बिजली संकट: कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी का अनुमान है कि 2035 तक भारत की 30फीसदी बिजली सिर्फ एसी चलाने में खर्च होगी। सिर्फ एसी की वजह से बिजली की मांग 2030 तक 120 गीगावाट और 2035 तक 180 गीगावाट तक बढ़ जाएगी। इससे गर्मियों में बड़े शहरों में लंबी बिजली कटौती हो सकती है, क्योंकि ग्रिड इतना लोड नहीं झेल पाएंगे।

जीडीपी में 4.5फीसदी तक की गिरावट: सीईईडब्लू की रिपोर्ट के मुताबिक, जिस मजदूर को अगले दिन कड़ी धूप में काम करना है, अगर वह रात को गर्म कमरे में सो नहीं पाएगा, तो उसकी प्रोडक्टिविटी घटेगी। इससे 2030 तक भारत की जीडीपी को 4.5फीसदी का नुकसान हो सकता है और काम के घंटे कम होंगे। सवाल-5: क्या वार्म नाइट्स से कूलर-एसी हमें बचा लेंगे? जवाबः नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि भारत में सिर्फ 24फीसदी घरों में एसी या कूलर है। शहरों में यह 40फीसदी है, गांवों में महज 15फीसदी। पश्चिम बंगाल और बिहार में तो सिर्फ 5फीसदी घरों में एसी हैं। ये वही राज्य हैं जहां गर्मी सबसे ज्यादा सितम ढाती है। लेकिन एसी भी कोई जादू की छड़ी नहीं है। एसी कमरे को ठंडा करता है, लेकिन बाहर की हवा को और गर्म। यानी एसी चलाने से हम खुद तो बच जाते हैं, पर पूरे शहर की गर्मी बढ़ती जाती है। सवाल-6: वार्म नाइट्स से निपटने के लिए क्या करना चाहिए? जवाबः सीईईडब्लू ने अपनी रिपोर्ट में भारत सरकार से सिफारिश की है कि कुछ जरूरी सुझाव अपने हीट एक्शन प्लान में शामिल करेंष्ठ1. ज्यादातर प्लान सिर्फ दिन की लू पर फोकस करते हैं। जबकि अब गर्म रातों, भारी उमस को भी प्लान में शामिल करना होगा। राज्यों को मौसम विभाग के पूर्वानुमान और आंकड़ों का इस्तेमाल कर बिजली की मांग और बीमारियों से लड़ने की तैयारी करनी चाहिए। 2. साल 2024 से लू को स्टेट डिजास्टर मिटिगेशन फंड यानी एसडीएमएफ़ के तहत फंडिंग के लिए शामिल किया गया है। राज्य इस पैसे का इस्तेमाल कर कूलिंग शेल्टर और अलर्ट सिस्टम बना सकते हैं। इसके अलावा शहरों में पेड़-पौधे या हरियाली बढ़ाने पर जोर दे सकते हैं। 3. जिन राज्यों के आधे से ज्यादा जिले हीट की वजह से हाई-रिस्क पर हैं, उन इलाकों को 'राज्य-विशिष्ट आपदा' घोषित करनी चाहिए। ऐसा करने से एसडीएमएफ़ का अतिरिक्त 10फीसदी फंड अनलॉक हो जाता है, जिसका इस्तेमाल गर्मी से होने वाली मौतों, खेती के नुकसान और इमरजेंसी ट्रेनिंग के लिए किया जा सकता है। 4. जैसे ही तापमान एक तय सीमा को पार करे, मजदूरों के खातों में तुरंत पैसा पहुंच जाए ताकि उन्हें भीषण गर्मी में काम न करना पड़े। नगालैंड और अहमदाबाद में यह प्रयोग सफल हो चुका हैं। 5. अगर भारत अगले 10 साल में एसी की एनर्जी एफिशिएंसी को दोगुना कर दे, तो उपभोक्ताओं के 2.2 लाख करोड़ रुपए बच सकते हैं। इससे न केवल लोगों के बिजली बिल कम होंगे, बल्कि पावर ग्रिड पर दबाव भी कम होगा और गंभीर पावर कट की स्थिति से बचा जा सकेगा। वार्म नाइट्स के दौरान आपको ओआरएस, नींबू पानी और छाछ जैसे पेय पदार्थ पीते रहना चाहिए, जिससे शरीर की कूलिंग प्रणाली को मदद मिले। रात को सोने से पहले छत और दीवार पर पानी छिड़कें, इससे कंक्रीट की संग्रहीत गर्मी जल्दी निकलती है। सूती और हल्के कपड़े पहनें। बुजुर्गों और बच्चों पर खास ध्यान दें।

समझना होगा कि हम मशीनों पर गुस्सा नहीं कर सकते

'डिंग डॉन्ग'.. दरवाजे बाईं ओर खुलेंगे' क्या ये आवाज और इस घोषणा से आप परिचित हैं? जी हां, ये आम तौर पर मेट्रो ट्रेन में सुनाई देती है। इस

शनिवार को जब बेंगलुरु में 'ग्रीन लाइन' मेट्रो सर्विस वेड वाजरहल्ली स्टेशन पर मेट्रो रुकी तो बिल्कुल ऐसी ही घोषणा हुई। यात्रियों ने धैर्य से दरवाजे खुलने का इंतजार किया, क्योंकि ट्रेन के पूरी तरह से रुकने के कुछ सेकंड बाद सिस्टम दरवाजे खोलता है। लेकिन किसी अज्ञात तकनीकी खराबी के कारण मेट्रो के कुछ दरवाजे नहीं खुले। ट्रेन चल पड़ी, जैसे हर स्टॉप के बाद चलती है, बिना यह जाने कि पीछे के डिब्बों में कोई तकनीकी खराबी आ गई है। उतरने को बेताब यात्री स्तब्ध रह गए, उन्होंने वहीं किया, जिसमें वो अच्छे हैं- घबरा गए! इसके बाद कुछ यात्रियों ने दिमाग में खुराफाती विचारों के साथ चीखना शुरू कर दिया और भीड़ भी उनके पीछे हो चली। किसी ने नहीं सोचा कि ये तर्कसंगत है भी या नहीं। और बेंगलुरु भी कोई अलग नहीं था। घबराए यात्री तेजी से भाग कर मेट्रो पायलट (मेट्रो ट्रेन के चालक को पायलट कहा जाता है) के केबिन के पीछे वाले लेडीज कोच में पहुंचे और पायलट केबिन का दरवाजा पीटना शुरू किया, जैसे डरे पायलट ने सोचा कि कुछ भयंकर हुआ है और उसने ब्रेक लगा दिए, जिससे ट्रेन एक निर्जन से स्थान पर जाकर रुक गई। जैसे ही उसने सावधानी से अपने केबिन का गेट खोला, उसके सामने गुस्साए यात्री खड़े थे, जो इस बात का जवाब मांग रहे थे कि क्यों उन्हें पिछले स्टेशन पर नहीं उतरने दिया गया। इसके बाद कुछ मिनटों तक तीखी नोकझोंक हुई। और आप जानते हैं कि जब भीड़ एकत्रित होती है तो कोई एक व्यक्ति तर्कसंगत तरीके से बात नहीं कर सकता। पायलट ने यह समझाने की विफल कोशिश की कि उसे पीछे हुई समस्या के बारे में पता नहीं था और जब यात्री उसके केबिन के दरवाजे को पीटने लगे तो उसने ब्रेक लगाए। चूंकि वह ट्रेन को वापस पीछे नहीं ले जा सकता था, इसलिए पायलट ने सभी यात्रियों से अपने-अपने डिब्बों में लौटने के लिए कहा। पायलट ने यात्रा फिर शुरू की और अगले स्टेशन पर ट्रेन रोक दी। वही आंदोलनरत यात्री तत्काल इकट्ठा हो गए, पायलट के केबिन की ओर भागे और प्लेटफॉर्म पर खड़े होकर उससे गलती के लिए स्पष्टीकरण मांगने लगे।उनमें से कुछ पिछले स्टेशन पर वापसी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए भी कह रहे थे। लोको पायलट ने पूरा मामला स्टेशन कंट्रोलर को रिपोर्ट किया, जिसने आकर स्थिति संभाली और वापसी की यात्रा में यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने में यथासंभव सहायता की। भारत में अभी 17 शहरों में 17 मेट्रो रेल सिस्टम संचालित हो रहे हैं, जिनकी कुल परिचालन दूरी 939.18 किमी की है। 2025 के अंत तक 18वीं ऐसी सेवा की शुरुआत के साथ ही कुल परिचालन दूरी 1000 किलोमीटर से अधिक हो जाएगी, जिससे हमारा मेट्रो सिस्टम दुनिया का तीसरा सबसे लंबा सिस्टम बन जाएगा। भारत में अर्बन रेल ट्रांजिट सिस्टम का पहला प्रकार उपनगरीय रेल थी, जो 16 अप्रैल 1853 को तत्कालीन बॉम्बे (आज के मुम्बई) में बनी था।कोई यह भी नहीं भूल सकता कि हमारे पास 1873 में कलकत्ता (आज के कोलकाता) में घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली ट्राम सेवा भी थी। आवागमन के मामले में तब से अब तक भारत मशीन और तकनीकी की सहायता से बहुत आगे बढ़ चुका है। विदेशों में ऐसी तकनीकी गड़बड़ियां सामान्य हैं। हाल ही मैंने ऐसी ही एक खराबी न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्टेशन पर देखी। वहां यात्रियों को जब ये बताया गया कि तकनीकी कारणों से एक सेवा कुछ घंटों के लिए अस्थायी रूप से बाधित रहेगी तो सभी यात्री शांति से स्टेशन के बाहर आ गए। फंडा यह है कि आप मशीनों पर नाराज नहीं हो सकते। तकनीकी और ऊर्जा पर चलने वाली मशीनों की दुनिया में गड़बड़ी तो होगी ही, भले ही बार-बार ना हो। हमें धैर्य विकसित करना होगा और सीखना होगा कि ऐसी स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया दें। अन्यथा ये दुनिया हम पर हंसेगी।

थोड़ी-बहुत फिक्र भली, पर ज्यादा चिंता किस काम की?

रोज ऑफिस से निकलने के पहले आप मम्मी को मैसेज करती हो- निकल गई। एक दिन रिक्शे में बैठने के बाद पता चलता है कि फोन ऑफ हो गया है। कोई बात नहीं, मम्मी समझ जाएंगी। लेकिन आप घर में घुसे, तब जाकर मम्मी ने चैन की सांस ली। फोन ऑन किया तो देखा- 12 मिस्ड कॉल। अरे, चिंता तो होती है, न!- मम्मी ने कहा, जैसे कि उनकी चिंता प्रकृति की देन हो। जैसे हम सांस लेते हैं, उसी तरह इस देश में हम 24 घंटे किसी न किसी चिंता में डूबे रहते हैं। बच्चों के एग्जाम- चिंता। घर पर मेहमान- चिंता। कामवाली आज लेट- चिंता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि लव लैंग्वेज यानी कि प्यार जताने के पांच तरीके होते हैं। उन्हें क्या पता हमारे पास एक और तरीका है- चिंता। वैसे शायरों ने भी भले सीधे तरीके से इसका जिक्र नहीं किया हो, लेकिन उनके गाने अगर आप ध्यान से सुनें तो समझ जाएंगे- आंखों ही आंखों में इशारा हो गया, बैठे-बैठे जीने का सहारा हो गया। मतलब? मतलब ये कि बीस साल बाद कोई होगा पूछने वाला- तुमने खाना खाया? दवाई ली? बिजली का बिल भरा? वैसे अंग्रेजी में इसे कहते हैं 'नैगिंग' और कई बार आप चिढ़ के जवाब भी दोगे- बस करो। लेकिन अगर कल ये सवाल बंद हो जाएं तो आपको बुरा भी लगेगा। कि किसी को मेरी पड़ी नहीं है, कोई पूछ नहीं रहा।आज ज्यादातर शादियां इसी पूछ-ताछ के सहारे चल रही हैं। चाहे कोई 'आई लव यू' न कह रहा हो, कम से कम इस विशाल दुनिया में मेरे ब्लड प्रेशर की किसी को तो फिक्र है। वैसे कभी-कभी हंसी भी आती है। प्लेन में जैसे ही अनाउन्स होता है- 'आप मोबाइल का इस्तेमाल कर सकते हो'- आस-पास चार फोन बजेंगे। सवाल हैं- 'पहुंच गए'? अब फोन बजा है, उठाया है, मतलब पहुंच ही गए होंगे। भगवान न करे, कोई हादसा हो जाए, तो सवाल-जवाब का मौका ही नहीं मिलेगाष्ठ अब यहां तक की चिंता तो चलो, एक तरह से ठीक है। मगर मैंने ऑब्जर्व किया है कि हम में से कई लोगों ने अपनी चिंता का दायरा बहुत बढ़ा दिया है। दुबई में बम- चिंता। स्टॉक माकेट डाउन- चिंता। पॉलिटिक्स में घोटाला- चिंता। इन टॉपिक्स पर चिंता से दुनिया को फर्क ही नहीं पड़ता, लेकिन असर होता है आप पर। सुना होगा आपने 'हॉन्टेड हाउस' के बारे में। जैसे बंगले पर कब्जा करके भूत बेमतलब घूमता है, उसी तरह चिंता। यह एक भूत है, जिसने एक बार आपके दिमाग पर कब्जा कर लिया, तो फिर वो आपको डराता रहेगा। कोई भी सिचुएशन हो, आपको उसमें कुछ नेगेटिव ही दिखाई देगा। मैं यह नहीं कह रही कि आप आंखें मूंद कर बैठिए। दुनिया में जो हो रहा है। उससे वाकिफ होना जरूरी है। लेकिन चिंता के बजाय चिंतन कीजिए। दोनों के बीच बस एक फर्क है- चिंतन करने वाला इंसान डरता नहीं। हालात आपके कंट्रोल में नहीं हैं, लेकिन हालात के प्रति आपका रिस्पॉन्स क्या होगा, यह आपके हाथ में है। आजकल एग्जाम के पहले कुछ बच्चे बीमार पड़ जाते हैं, उल्टियां आने लगती हैं। डॉक्टर मानते हैं इसकी वजह है एंग्जायटी यानी कि घबराहट- जो है चिंता का बड़ा भाई। अजीब बात यह है कि ज्यादातर वो बच्चे घबराते हैं जिन्होंने पढ़ाई करी है, अच्छी तरह से। उनका डर यह है कि नंबर थोड़े कम आए तो क्या होगा? उन्होंने अपने मन में एक लंबी कहानी लिख डाली है कि मेरा एडमिशन सही जगह नहीं होगा, मेरी लाइफ बर्बाद हो जाएगी। भाई, जीवन में सुख और सफलता पाने के एक नहीं, अनेक रास्ते हैं। लेकिन घबराए हुए इंसान को उन रास्तों पर चलने की हिम्मत न होगी। इसलिए पैरेंट्स को मेरी सलाह है, बच्चों को निडरता से जीना सिखाइए। थोड़ी-बहुत चिंता ठीक है, लेकिन अगर वे आपको हर वक्त चिंतित देखेंगे, तो वे भी उस भूत को अपने मन में बसा लेंगे। जो ज्यादा चिंता करता है, कुछ भी करने से डरता है। सोच ही सोच में फंस जाता है, सुख में भी दुःख ही पा पाता है। जो होना है सो होकर रहेगा, आपकी चिंता से कुछ न बदलेगा। चिंता से चिंतन का सफर तय कीजिए, जीवन अपना आनंदमय कीजिए। हम में से कई लोगों ने अपनी चिंता का दायरा बहुत बढ़ा दिया है। दुबई में बम- चिंता। स्टॉक माकेट डाउन- चिंता। पॉलिटिक्स में घोटाला- चिंता। इन सब पर चिंता से दुनिया को फर्क ही नहीं पड़ता, लेकिन असर होता है आप पर। (ये लेखिका के अपने विचार हैं रश्मि बंसल)

परमात्मा पर जितना भरोसा, संसार से उतने ही कम धोखे

मनुष्य को कर्म नहीं भटकाते, का अर्थ है मैं यह काम कर रहा

कर्म करने का दबाव परेशान नहीं करता, उसे कर्त्ताभाव परेशान करता है। कर्म करने और कर्त्ताभाव में अंतर है। कर्त्ताभाव हूं। ये जो मैं है, यही परेशानी का कारण है। ये सही है कि हम ही कर रहे हैं, पर कर्त्ताभाव के अभाव का अर्थ है कोई एक परम शक्ति है, जो हम से करा रही है, तो हम कर रहे हैं। आजकल हमारे जीवन में सहज ही डिजिटल मीडिया के कारण कई वैद्य-डॉक्टरों की भरमार हो गई है। स्वास्थ्य को लेकर जानकारियों की झड़ी लगी हुई है और हम सब भी कुछ न कुछ करने के लिए इस सबमें उतर जाते हैं। झूठे आश्वासन, अतार्विक ?चिकित्सा, अंधविश्वास से भरी धार्मिक कथाओं, ?फिजूल के किस्सों आदि के लपेटे में न आएं। ये अप्रत्याशित समाधान जो सोशल मीडिया से पेश किए जा रहे हैं, इनके प्रति अतिरिक्त सावधान रहें। परमात्मा पर जितना भरोसा होगा, उतनी सावधानी जीवन में आ जाएगी और संसार से उतने ही धोखे कम मिलेंगे।

बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं

मुझे पता है, आप क्या सोच रहे हैं? दरअसल, ये कहना आसान है और करना मुश्किल। खासकर तब जब कोई व्यक्ति ट्रेन की बोगी में कई आकर्षित करती थीं।ज्यादातर दूसरा वाला कारण अधिक सामान्य है। अब यह बॉल आपके बैग में रखी हुई एसी कार से घर वापसी की यात्रा खेलने वाले बड़ों की नकल पसंद करते हैं। अकेली बिल्ली किसी चूहे पर भारी पड़ जाए या चूहों का एक समूह बिल्ली को घेर ले, यह वाकई मजेदार

सारी गेंदें और गुड़िया लटकाए घूम रहा है और बार-बार आकर कह रहा है कि कौन मुन्ना रो रहा है? मैं उसे दो सेकंड में खुश कर दूंगा और वह एक रबर की पारदर्शी गेंद रेलवे बर्थ के बीच फेंकता है और गेंद अचानक कई रंगों में चमकने लगती है। और बच्चा कहता है कि 'मुझे वो बॉल चाहिए।' बच्चे को समझाने की कोशिश करें कि यह 48 घंटे से ज्यादा काम नहीं करेगी तो सेल्समैन आप पर टूट पड़ता है कि सर, मैं गारंटी देता हूं कि मुन्ना आपकी वापसी की यात्रा में भी इसी से खेलेगा।मैं हमेशा इसी ट्रेन में रहता हूं। अगली गर्मियों में भी यदि ये गेंद काम नहीं करे आप आकर इसे वापस कर सकते हो। मैं बिना कोई सवाल पूछे इसे बदल दूंगा।' इस बीच आप देखेंगे कि बच्चा पहले ही बॉल से खेलने लग गया है और उसे दूसरी बर्थों पर लुढ़काने लगा है।आपके पास इसे खरीदने के अलावा कोई चारा नहीं रहता। और ऐसी खरीदारी कर चुके आपमें से अधिकांश लोग मुझसे सहमत होंगे कि ऐसी गेंदें एक यात्रा में भी नहीं चल पाती। या तो बच्चा इसे खो देता है या फिर गेंद की वो चमकीली लाइटें बंद हो जाती हैं, जो फर्श पर मारने के बाद बच्चे को कर रही है। और घर पर ये बॉल या तो भुला दी गई है या किसी कोने में अव्यवस्थित सी पड़ी है और कुछ समय बाद कूड़ेदान में चली जाती है!अगर आपके घर में बच्चे हैं तो मुझसे यह मत कहिएगा कि आपके घर में ऐसा कुछ नहीं हुआ। यही कारण है कि मैंने इस हैडलाइन के साथ शुरूआत की थी कि बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं। उपहार विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि कैसे उपयोगिता, बच्चे के विकास और खुशी को प्राथमिकता दी जाए। वे ऐसे गिफ्ट की सलाह देते हैं, जो खेल और रचनात्मकता को बढ़ावा दे और प्लास्टिक से बचने की राय देते हैं। यहां उम्र के अनुसार कुछ सुझाव पेश हैं।4 वर्ष उम्र वालों के लिएः हिसार में एक स्कूल चलाने वाले मेरे दोस्त हरिपाल पिलानिया ने मुझे लकड़ी के क्यूब्स दिए, जिनसे बच्चे रूबिक क्यूब बना सकते हैं। यकीन मानें, यह गेम आज भी मेरे घर पर 10 साल से है और जो बच्चे मेरे घर आते हैं, बिना थके इससे खेले हैं, चाहे फिर वह 10 साल के हों।6 वर्ष उम्र वालों के लिएः कैट एंड रैट थीम वाले कार्ड गेम। मैंने इसे अमेरिका से खरीदा था। बच्चे ताश खेल है। यहां तक कि हमारी उम्र के लोग भी इसे खेल सकते हैं। मुझे बताओ कि ' रैट-ए-टैट कैट' जैसे गेम खेलने का किसका मन नहीं करेगा?8 वर्ष उम्र वालों के लिएः कई सारे ऐसे कलरफुल जर्नल्स हैं, जो प्रश्नों से भरे होते हैं, उनमें इलस्ट्रेशन और ड्रॉइंग के लिए संकेत होते हैं- उदाहरण के लिए 'यदि मेरे पास एक रोबोट होता तो मैं इसे प्रोग्राम करने के लिए कहता.(ऐसी चीजें मेरे दिमाग में हैं)10 वर्ष उम्र वालों के लिएः नए बेकर्स और उत्सुक कुक्स के लिए शेफ इन ट्रेनिंग एक गेम है। इसमें मिनी व्हिस्क, स्पेचुला, नापने वाला कप और कई सारी चीजें होती हैं। यह उन्हें अंडे फेंटने और सलाद सजाने जैसे कुछ काम सीखने में मदद करता है।

फंडा यह है कि अलग-अलग उम्र के लिए ऐसा सही उपहार चुनना, जिसे वे संभाल कर रखें और ये आसान काम नहीं है। सबसे पहले हमें खुद को रचनात्मक होना पड़ेगा और उससे अधिक उपयोगिता के बारे में सोचना होगा कि वह गिफ्ट उसे बोर ना करे। यदि आपके पास कुछ सुझाव हैं, तो शेयर करें, ताकि मैं सभी पाठकों को इस बारे में बता सकूं।

अर्थव्यवस्था में सोने का और बेहतर उपयोग कैसे करें?

आज भारतीय परिवारों के पास दुनिया के दस सबसे बड़े केंद्रीय बैंकों- अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, चीन, इटली, स्विट्जरलैंड, जापान, तुर्किये और खुद भारत के स्वर्ण भंडारों से भी अधिक सोना है! भारतीय घरों में लगभग 25,000 टन

सोना रखा हुआ है। यह अमेरिकी सरकार के स्वर्ण भंडार (8,133 टन) का तीन गुना और भारतीय रिजर्व बैंक (879 टन) के स्वर्ण भंडार का लगभग 30 गुना है।आज की कीमतों के हिसाब से भारत के घरेलू सोने की कीमत कितनी होगी? सोने के मूल्य लंबे समय से बढ़ रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण इनमें उछाल आया है। लगभग एक लाख रुपए (1,200 डॉलर) प्रति तोला (10 ग्राम) की वर्तमान कीमत के हिसाब से भारतीय घरों में रखे 25,000 टन सोने का मूल्य लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर ठहरता है। यह भारत की 2025 की जीडीपी 4.19 ट्रिलियन डॉलर का लगभग 75 प्रतिशत है।अनुमान है कि इनमें भी भारतीय महिलाओं के पास ही 24,000 टन से ज्यादा सोना है। यह अमेरिका सहित जर्मनी (3,300 टन), इटली (2,450 टन), फ्रांस (2,400 टन) और रूस (1,900 टन) के केंद्रीय बैंकों के सोने के भंडार से ज्यादा है। ऑक्सफोर्ड गोल्ड ग्रुप की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय महिलाओं के पास दुनिया के कुल सोने का 11 प्रतिशत हिस्सा है।सोने से भारतीयों के इस असीम लगाव की वजह क्या है? इसे एक सुरक्षित और स्थिर निवेश माना जाता है। पिछले 25 वर्षों में ही सोने की कीमत 4,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर लगभग 1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है- यानी 25 वर्षों में 25 गुना वृद्धि। चक्रवृद्धि आधार पर तो सोने का मूल्य प्रति वर्ष लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा है और यह लगभग हर पांच साल में दोगुना हो रहा है।इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 2000 से 2025 के बीच 6,000 से बढ़कर 80,000 से अधिक अंकों तक पहुंचा है- यानी 25 वर्षों में लगभग 14 गुना वृद्धि। यह 12 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) बताता है।लंबी अवधि में सोना इक्विटी से भी बेहतर प्रदर्शन करता है। स्टॉक के विपरीत, सोने की कीमतें कम अस्थिर होती हैं। दुनिया की सबसे रूढ़िवादी निवेशकों में से एक भारतीय महिलाओं को यह बात अच्छी तरह से पता है।सोने ने भारतीय परिवारों को शादियों के लिए पैसे जुटाने और दिवालिया होने से बचाने में मदद की है। लेकिन वित्तीय सुरक्षा के लिए रखे गए एक डेड-एसेट के बजाय भारत की अर्थव्यवस्था में सोने का अधिक प्रोडक्टिव उपयोग कैसे किया जा सकता है?आरबीआई की स्वर्ण निवेश योजना को सीमित सफलता मिली है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का उद्देश्य सोना रखने का विकल्प प्रदान करना है। जैसा कि आरबीआई कहता है, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक बेहतर विकल्प प्रदान करता है। इसमें स्टोरेज का जोखिम और लागत समाप्त हो जाती है।

निवेशकों को मैच्योरिटी के समय सोने के बाजार मूल्य और आवधिक ब्याज का आश्वासन दिया जाता है। आभूषण के रूप में सोने के उपयोग के मामले में भी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड समस्याओं से मुक्त है। लेकिन भारतीयों में भौतिक सोने का आकर्षण इतना प्रबल है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पूरी तरह से लोकप्रिय नहीं हो पाया है।भारत ने 2024-25 में 58.01 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया। तस्करी को कम करने के उद्देश्य से आयात शुल्क में 15 से 6 प्रतिशत की कटौती ने 2023-24 में सोने के आयात को 27 प्रतिशत बढ़ाने में मदद की।2024-25 में भारत का व्यापारिक और सेवा व्यापार में कुल घाटा 94.26 अरब डॉलर था। इसलिए 2024-25 में भारत के आयात में 58.01 अरब डॉलर का सोना भारत के व्यापार घाटे का एक प्रमुख घटक है। वैसे भारत के आयात बिल में सबसे बड़ा घटक कच्चा तेल है, जिसका 2024-25 में 133 अरब डॉलर का योगदान था। सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए।

लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। सोने के प्रति आकर्षण आर्थिक के साथ ही सांस्कृतिक और भावनात्मक भी है।

चूंकि भारतीय महिलाओं के पास 3 ट्रिलियन डॉलर मूल्य का 24,000 टन से अधिक सोना है और पिछले वित्तीय वर्ष में भी उन्होंने 58 अरब डॉलर मूल्य का अनुमानित 600 टन सोना खरीदा है, इसलिए सोने की कीमतों में उछाल बने रहने की संभावना है।सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए।

लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

'चुपचाप भुगतने दो' की कला में आलोचना झेलने का तरीका छिपा है!

सैकड़ों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भरी दुनिया में किसी को भी अपनी राय व्यक्त करने के लिए दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं, लेकिन हर विषय पर अपनी विशेष टिप्पणी देना तो जैसे कई लोगों का शगल बनता जा रहा है। चाहे उन्हें उस क्षेत्र का ज्ञान हो या न हो। वे हर चीज पर टीका-टिप्पणी करते हैं और किसी भी बात को तिल का ताड़ बना सकते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जो अपने अच्छे काम के बावजूद भी लोगों की शिकायतों की बौछार से परेशान हो जाते हैं, तो यह कहानी आपके लिए है।जयपुर में एक महिला हैं, जो एक पेइंग गेस्ट हाउस चलाती हैं। उनका एक पुश्तैनी घर है, जिसमें 10-12 बड़े कमरे हैं। उन्होंने हर कमरे में 3 बिस्तर लगा रखे हैं। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में भोजन भी मिलता है। उन्हें खाना खिलाने का बहुत शौक है। वे बड़े मन से खाना बनाती और खिलाती हैं। उनके यहां इतना शानदार भोजन मिलता है कि कोई बढ़िया से बढ़िया शेफ भी वैसा नहीं बना सकता। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में ज़्यादातर नौकरी करने वाले लोग और छात्र रहते हैं। सुबह का नाश्ता और रात का भोजन तो सभी लोग करते ही हैं। और जिसे ज़रूरत होती है, वे दोपहर का भोजन पैक करके भी देती हैं। लेकिन उनके यहां एक बड़ा अजीब नियम है। हर महीने में सिर्फ 28 दिन ही भोजन बनता है। बाकी 2 या 3 दिन सबको होटल में खाना पड़ता है। ऐसा नहीं है कि आप पेइंग गेस्ट हाउस की रसोई में खुद कुछ बना लें।

रसोई उन 2-3 दिनों के लिए पूरी तरह से बंद रहती है। हर महीने के आखिरी तीन दिन मेस बंद रहता है। सभी को होटल में खाना पड़ता है, और चाय भी बाहर जाकर पीनी होती है।जब किसी ने पूछा कि यह क्या अजीब नियम है? आपकी रसोई केवल 28 दिन ही क्यों चलती है? वे बोलीं, 'शुरू में यह नियम नहीं था। मैं इसी तरह, इतने ही प्यार से खाना बनाती और खिलाती थी। पर उनकी शिकायतें कभी खत्म ही नहीं होती थीं। कभी यह कमी है, कभी वह कमी है- हमेशा असंतुष्ट और आलोचना करते रहते थे। इसलिए तंग आकर मैंने यह 28 दिन वाला नियम बना दिया। 28 दिन प्यार से खिलाओ और बाकी 2-3 दिन बोल दो कि जाओ, बाहर खाओ। उन 3 दिनों में, उन्हें नानी याद आ जाती है। उन्हें आटे-दाल का भाव पता चल जाता है। उन्हें पता चल जाता है कि बाहर कितना महंगा और कितना घटिया खाना मिलता है। दो घूंट चाय भी 15-20 रुपये की मिलती है। उन्हें मेरी कीमत ही इन 3 दिनों में पता चलती है। इसलिए बाकी 28 दिन वे बहुत कायदे में रहते हैं।'यह वाकिया मुझे तब आया, जब मुझे शनिवार की सुबह दैनिक भास्कर के पाठक 70 वर्षीय शारदा और उनके 75 वर्षीय पति सीताराम अग्रवाल का ईमेल मिला। वे रायपुर के तेलीबांधा से हैं। उन्होंने लिखा कि कैसे को ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के समिति सदस्यों की, वहां के रहवासी बिना वजह आलोचना करते हैं। और रहवासी, समिति सदस्यों से ऐसे पेश आते हैं, मानो वे सैलरी पर रखे हुए कोई कर्मचारी हों, जबकि वे लोग तो स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।उन्होंने दुखी होकर बताया कि अमूमन सभी हाउसिंग सोसायटी के यही हाल हैं, जहां अगर कॉलेनी में किसी भी सुविधा में कमी या उसका अभाव दिखता है, तो रहवासी आपे से बाहर हो जाते हैं। सीताराम जी ने मेरे साथ फोन पर बातचीत में बताया कि इससे असंतोष बढ़ता है और अच्छे दिल से काम करने वाले वॉलेंटियर भी सामाजिक कामों से खुद को दूर कर लेते हैं।फंडा यह है कि अगर आप चाहते हैं कि ग्राहक आपकी निष्ठा, प्रतिबद्धता और गुणवत्ता का मूल्य समझें, तो उनकी बात पर कोई प्रतिक्रिया न दें, बस अपनी अनुपस्थिति से उन्हें आपकी प्रतिबद्धता का एहसास कराएं। जब वे चुपचाप भुगतेंगे और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की कमी का अनुभव करेंगे, तभी वे आपका सम्मान करेंगे।

अरबपतियों की संख्या बढ़ना खतरे की घंटी भी हो सकती है

हर साल मैं यह देखने के लिए फोर्ब्स की फेहरिस्त का विश्लेषण करता हूं कि किन देशों में अरबपतियों की सम्पत्ति उनके देश की जीडीपी के ?हिस्से के रूप में बढ़ रही है। या किन देशों में सम्पत्ति अरबपतियों के पारिवारिक साम्राज्य में केंद्रित होकर रह जा रही है या उन बुरे उद्योगों में तब्दील हो रही है, जो उत्पादकता से अधिक भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। जिन देशों में इस तरह के मामले सबसे ज्यादा मिलते हैं, वहां पूंजीवाद-विरोधी विद्रोहों का खतरा भी सबसे अधिक रहता है। इस साल चेतावनियों के संकेत स्वीडन की ओर इशारा कर रहे हैं। भले ही कई प्रगतिशील लोग स्वीडन को एक समाजवादी-स्वर्ग के तौर पर देखते हों, लेकिन वहां अरबपतियों की संपत्ति जीडीपी के 31प्रतिशत तक हो गई है। यह 20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। आज स्वीडन में 45 अरबपति हैं, जो अमेरिका से प्रति व्यक्ति पैमाने पर डेढ़ गुना अधिक हैं। अब तक के सबसे धनी अमेरिकी जॉन डी. रॉकफेलर हैं, जिनकी सम्पत्ति 1910 के आसपास जीडीपी की 1.5प्रतिशत से अधिक थी। आज किसी अमेरिकी के पास इतनी दौलत नहीं। आज के रॉकफेलर स्वीडन में हैं, जिनमें से सात की सम्पत्ति जीडीपी के हिस्से में रॉकफेलर से अधिक है। एक कार्यशील अर्थव्यवस्था से अरबपतियों की संतुलित श्रेणी निर्मित होती है, जिसमें रियल एस्टेट और कमोडिटी जैसे सेक्टरों की 'बैड वेल्थ' की तुलना में टेक और मैन्युफैक्चरिंग जैसे उद्योगों की 'गुड वेल्थ' अधिक होती है। ऐसा नहीं है कि रियल एस्टेट और कमोडिटी सेक्टर खराब हैं। लेकिन कार या सॉफ्टवेयर जैसे सेक्टरों की तुलना में उत्पादकता में उनका कम योगदान होता है। लेकिन स्वीडन में आज 'गुड बिलियनेअर्स' की संख्या 'बैड बिलियनेअर्स' की तुलना में आधी रह गई है। स्वीडन भले ही टेक-उद्यमियों के लिए बेहतर स्थान के तौर पर प्रसिद्ध हो, लेकिन इनमें से तीन ही फोर्ब्स की सूची में जगह पा सके हैं। अरबपतियों की सम्पत्ति में 'गुड वेल्थ' का हिस्सा महज 12प्रतिशत है, जो शीर्ष 10 विकसित देशों की सूची में तीसरा सबसे निम्नतम है। स्वीडन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अनियंत्रित वेलफेयर-स्टेटिज्म के अपने प्रयोग की विफलता के बाद वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना शुरू किया। भारी करों के चलते वहां की मशहूर हस्तियां और उद्योगपति पलायन करने लगे। 1990 के दशक की शुरुआत में आए वित्तीय संकटों ने स्वीडन को समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उसने उच्च आय करों से भुगतान की जाने वाली मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को समाप्त नहीं किया। लेकिन धन, विरासत, निगमों और अचल संपत्ति पर करों को समाप्त या कम करते हुए कल्याणकारी राज्य का आकार छोटा कर दिया।2000 के दशक का मध्य आते-आते वहां के सुपर-रिच पलायन नहीं कर रहे थे। उलटे वे हावी हो गए थे। स्वीडन के अरबपतियों की लगभग 70प्रतिशत संपत्ति विरासत (इनहेरिटेंस) से आती है, जो फ्रांस और जर्मनी के बाद तीसरी सबसे अधिक है। स्वीडन हाल के वर्षों में अरबपतियों की संख्या में उछाल देखने वाला एकमात्र बड़ा कल्याणकारी राज्य नहीं है। फ्रांस में भी ऐसा हुआ है। लेकिन दोनों में विशेष असंतुलन है। स्वीडन में विकृत कर और ईजी-मनी (आसानी से मिलने वाला कर्ज) है। वह वेतन की तुलना में पूंजी पर बहुत कम कर लगाता है, और कभी-कभी पूंजी पर प्रतिगामी कर लगाता है। स्वीडन ने ब्याज दरों को यूरोपीय औसत से भी नीचे रखा है। कम दरों से संपत्ति की कीमतें बढ़ती हैं, जबकि अमीरों के लिए अधिक लाभ कमाने के लिए पैसे उधार लेना आसान हो जाता है।

अमेरिकी एयरक्राफ्ट गिरने पर भड़क गए थे ट्रम्प,घंटों चिल्लाते रहे, अधिकारियों ने वॉर रूम ब्रीफिंग्स से बाहर रखा

वॉशिंगटन डीसी। ईरान युद्ध के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी एफ-15 जेट गिरने के

बाद भड़क गए थे। वे कई घंटों तक अधिकारियों पर चिल्लाते रहे। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, इसी वजह से अधिकारियों ने उन्हें वॉर रूम की अहम ब्रीफिंग्स से दूर रखा। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस रिपोर्ट को खारिज किया है। 3 अप्रैल को ईरान के ऊपर अमेरिकी एफ-15 जेट गिरने के बाद दो एयरमैन लापता हो गए थे। एक को तुरंत बचा लिया गया, लेकिन दूसरा 24 घंटे से ज्यादा समय तक दुश्मन इलाके में फंसा रहा। रिपोर्ट में सीनियर अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि ट्रम्प को स्थिति की जानकारी केवल जरूरी मौकों पर फोन से दी जा रही थी। उन्हें रियल-टाइम ऑपरेशन वाली बैठकों में शामिल नहीं किया गया क्योंकि अधिकारियों को लगा कि उनकी बेसब्री का असर फैसलों पर पड़ सकता है। ट्रम्प ने तुरंत कार्रवाई का दबाव बनाया- रिपोर्ट के अनुसार, गुड फ्राइडे के दिन जब ट्रम्प को एयरमैन के लापता होने की जानकारी मिली तो उन्होंने सेना से कहा कि 'उन्हें तुरंत वापस लाओ।' उन्होंने तेज कार्रवाई की मांग की, जबकि ईरान के अंदर ऑपरेशन जटिल और जोखिम भरा था। अमेरिकी सेना दशकों से ईरान की जमीन पर ऑपरेशन नहीं कर रही थी। ऐसे में अधिकारियों को तय करना था कि बिना पकड़े दुश्मन इलाके में कैसे घुसा जाए और एयरमैन को कैसे निकाला जाए। ट्रम्प रेस्क्यू के वक्त सिचुएशन रूम में नहीं थे-एयरमैन के रेस्कयू ऑपरेशन के दौरान उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और चीफ ऑफ स्टाफ सूसी वाइल्स समेत कई अधिकारी सिचुएशन रूम से लगातार अपडेट ले रहे थे। ये बैठकें अगले 24 घंटे तक चलीं लेकिन ट्रम्प इनमें शामिल नहीं थे।

रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रम्प इस स्थिति की तुलना ईरान बंधक संकट से कर रहे थे जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति को चुनाव में भारी नुकसान उठाना पड़ा था। यह घटना उनके दिमाग में लगातार चल रही थी और जैसे-जैसे ऑपरेशन आगे बढ़ा, उनकी चिंता भी बढ़ती गई। अमेरिकी एजेंसियों ने लापता एयरमैन को लगातार खोज रही थीं। 4 अप्रैल की शाम को उसे भी सुरक्षित निकाल लिया गया। एक सीनियर अधिकारी के मुताबिक, यह मिशन सीआईए की मदद से पूरा हुआ, जिसने एयरमैन की लोकेशन का पता लगाया। अधिकारियों ने इस ऑपरेशन को 'घास के ढेर में सुई खोजने' जैसा बताया। रिपोर्ट के अनुसार, सीआईए ने एक भ्रामक अभियान भी चलाया, जिसमें यह फैलाया गया कि एयरमैन पहले ही मिल चुका है, ताकि दुश्मन गुमराह रहे। रेस्क्यू के बाद ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर ऑपरेशन की तारीफ की और बचाए गए सैनिक को बहादुर योद्धा बताया। अगले ही दिन ट्रम्प ने गालियों भरा पोस्ट किया-रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद ट्रम्प ने अगले ही दिन सोशल मीडिया पर ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने को लेकर गालियों भरा संदेश पोस्ट किया। रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रम्प ने जानबूझकर संदेश में धार्मिक भाषा और 'अल्लाह' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया ताकि ईरान के नेताओं को असहज किया जा सके। 7 अप्रैल को उन्होंने और सख्त बयान दिया कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो 'पूरी सभ्यता खत्म हो सकती है।' हालांकि, कुछ घंटों बाद उन्होंने 8 अप्रैल से दो हफ्ते वेज सीजफायर का ऐलान भी किया। डब्लूएसजे के मुताबिक, इन बयानों के बाद दुनिया भर में चिंता बढ़ी और अमेरिकी सांसदों ने व्हाइट हाउस से ट्रम्प की मानसिक स्थिति को लेकर जानकारी मांगी।

13 साल का सपना,रिफाइनरी में आग से उठे सवाल,बेस्ट टेक्नोलॉजी और इंजीनियर्स के बावजूद हादसा, बड़ा भारी नुकसान

पचपदरा। राजस्थान में बाड़मेर के नजदीक बालोतरा (पचपदरा) में हिंदुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड की रिफाइनरी में 20 अप्रैल दोपहर 2 बजे आग लग गई। रिफाइनरी

का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार (आज) उद्घाटन करने वाले थे। इस घटना के बाद उनका दौरा स्थगित हो गया। आग उसी क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट में लगी, जिसका ट्रायल रन पूरा होना बताया जा रहा था। इस हादसे ने न सिर्फ सेफ्टी को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि राजस्थान की इकोनॉमी को बड़ा घाव भी दिया है। साल 2013 से लेकर अब तक 13 सालों में पहले ही रिफाइनरी की लागत 37 हजार 230 करोड़ से बढ़कर 79 हजार 459 करोड़ तक पहुंच चुकी है। शिलान्यास से उद्घाटन तक कौन सी चुनौतियां आईं, जिसके कारण बार-बार रिफाइनरी का काम रुका। साथ ही अब इस हादसे से कितना बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। बालोतरा के पचपदरा में रिफाइनरी के सपने के पीछे की असल कहानी की शुरुआत साल 2004 में बाड़मेर के मंगला ऑयल फील्ड की खोज से शुरू हुई। साल 2009 में यहां से प्रोडक्शन शुरू हुआ। इसी के साथ ही राजस्थान में लोकल रिफाइनिंग की जरूरत महसूस की गई। 22 सितंबर 2013 को तत्कालीन यूपीए सरकार की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने पचपदरा में रिफाइनरी का शिलान्यास किया। उस समय अशोक गहलोत मुख्यमंत्री थे।रिफाइनरी प्रोजेक्ट के मॉडल में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड को 74 फीसदी और राजस्थान सरकार को 26 फीसदी का हिस्सेदार बनाते हुए जॉइंट वेंचर में रखा गया था। तब इसकी अनुमानित लागत करीब 37,230 करोड़ रुपए थी। साल 2017-18 तक रिफाइनरी चालू करने का टारगेट रखा गया था। शिलान्यास और घोषणा की टाइमिंग चुनाव से ऐन पहले थी। ऐसे में शिलान्यास के साथ ही राजनीति भी शुरू हो गई। प्रोजेक्ट में ठोस टेंडरिंग व कंस्ट्रक्शन स्टार्ट होता इससे पहले ही राजस्थान में आचार संहिता लग गई। चुनाव के बाद सरकार बदली और रिफाइनरी प्रोजेक्ट री-एसेसमेंट, लागत बढ़ोतरी और नई शर्तों में उलझता चला गया।वसुंधरा राजे की अगुआई वाली बीजेपी सरकार आने के बाद प्रोजेक्ट में दी जा रही ज्यादा सब्सिडी, टैक्स बेनिफिट और कम रिटर्न की आशंका के चलते इसे री-नेगोशिएशन और रिव्यू में डाल दिया गया। इसके बाद अगले पांच साल तक ये प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में चला गया। कांग्रेस का आरोप था कि बीजेपी ने इसे जानबूझकर रोक दिया। बीजेपी का पक्ष था कि रिव्यू के बिना ये प्रोजेक्ट घाटे का सौदा था। करीब 5 साल की देरी और विवादों के बीच आखिरकार पचपदरा रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल प्रोजेक्ट को लेकर फिर से उम्मीद जागी। रिफाइनरी की शर्तों में बदलाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16 जनवरी 2018 को फिर से इसके कार्य का शुभारंभ किया। इस समय इसकी लागत बढ़कर 43 हजार 129 करोड़ रुपए हो गई थी। इसका काम 31 अक्टूबर 2022 तक पूरा किया जाना था। इसके बाद फिर राजस्थान में सत्ता परिवर्तन हो गया। अशोक गहलोत की अगुआई में कांग्रेस सरकार बन गई। हालांकि इसके बाद भी पचपदरा रिफाइनरी का प्रोजेक्ट चलता रहा, लेकिन भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण मंजूरी, रीडिजाइन, टेक्निकल बदलावों और लागत बढ़ोतरी के चलते स्पीड धीमी ही रही। कोविड के दौरान साल 2020 और 2021 में तो काम पूरा ठप ही हो गया था। 2023 में फिर राजस्थान में भजनलाल सरकार बनी। रिफाइनरी के लागत मूल्य में दूसरा संशोधन प्रस्ताव सरकार को प्रस्तुत करने के बाद इसकी लागत बढ़कर 79 हजार 459 करोड़ रुपए हो गई थी। इसे 8 अप्रैल 2026 को मंजूर कर दिया गया और एक जुलाई 2026 से कॉमर्शियल ऑपरेशन का टारगेट तय किया गया।अब 20 अप्रैल को हुए अग्निकांड के बाद न सिर्फ रिफाइनरी का उद्घाटन बल्कि इसका कॉमर्शियल ऑपरेशन का टारगेट भी आगे बढ़ना तय हो गया है। एक दिन पहले की स्टेटस रिपोर्ट की मानें तो रिफाइनरी का 92 फीसदी काम पूरा हो चुका था। ऐसे में जहां तेल शोधन (ऑयल रिफाइनिंग) का बड़ा काम होना था, ठीक उसी यूनिट में आग लगने से राजस्थान में रिफाइनरी के सपनों को झटका लगा है। अब ये जख्म कब तक भरेगा, इसका फिलहाल अंदाजा लगना मुश्किल है। रिफाइनरी मामलों के जानकार सोर्सेज ने बताया कि इस रिफाइनरी को लेकर दावा किया जा रहा था कि इसमें दुनिया की बेस्ट टेक्नोलॉजी, बेस्ट इक्यूप्मेंट्स और बेस्ट इंजीनियर्स का इस्तेमाल हो रहा था। ऐसे में उद्घाटन से पहले ये हादसा बड़े सवाल खड़े करता है। एक्सपर्ट्स ने बताया कि फिलहाल इतनी बड़ी घटना को लेकर कोई भी टिप्पणी करना जल्दबाजी ही होगी। इसके लिए सबसे पहले ये देखना होगा कि ये यूनिट किस कंपनी की थी? सप्लाई किसने किया था? क्या ये कंपनी इंजीनियर के चार्ज में थी या इसे रिफाइनरी के इंजीनियर्स ने चार्ज में ले लिया था? टेक्निकल ऑडिट किसने किया था? और उन एक्सपर्ट?र्स की क्या रिपोर्ट थी। इन सभी सवालों के जवाब आने के बाद ही इस हादसे को लेकर कुछ ठोस कहा जा सकता है। एक्सपर्ट?र्स का मानना है कि रिफाइनरी के दिल में ही आग लगी है तो नुकसान तो बड़ा ही हुआ है। रिफाइनरी की लागत लगातार बढ़ती जा रही है, वहीं कॉमर्शियल रन समय पर स्टार्ट नहीं होने से नुकसान अलग है। हालांकि इतनी बड़ी रिफाइनरी में सभी यूनिट और इक्यूप्मेंट्स डबल इंश्योर्ड होते हैं। ग्लोबल सप्लायर कंपनीज की गारंटी में भी होते हैं, लेकिन रिप्लेसमेंट और दुबारा फेब्रिकेशन व इंस्टॉलेशन में लगने वाला टाइम प्रोडक्शन को बड़ा इकोनॉमिक लॉस देता है। सीडीयू-वीडीयू यूनिट से क्रूड ऑयल की डिस्टिलेशन शुरू होती है। साधारण शब्दों में कहें तो यहीं क्रूड से पेट्रोल, डीजल, और दूसरे पेट्रोलियम पदार्थ निकलते हैं। इस आग के बाद इसकी रिपेयरिंग और इसके डैमेज असेसमेंट में 1 से 6 महीने लग सकते हैं। अगर जुलाई 2026 से कॉमर्शियल प्रोडक्शन शुरू होता, तो 9 MMTPक्षमता के हिसाब से मंथली रेवेन्यू 50 हजार से 80 हजार करोड़ के आसपास होने वाला था। अब हर महीने की देरी से यह संभावित रेवेन्यू लॉस होना तय है।

तमिलनाडु में बीजेपी के कम हैं आसार,120-140 सीटों के साथ स्टालिन की वापसी के आसार, थलापति विजय को 5 से 15 सीटें

चेन्नई। तमिलनाडु की 234 सीटों पर 23 अप्रैल को वोटिंग होनी हैं। सरकार बनाने के लिए 118 सीटें चाहिए। मुकाबला डीएमके और

एआईएडीएमके के बीच है। एक तरफ सीएम एमके स्टालिन का द्रविड़ियन मॉडल और उनकी पॉपुलर योजनाएं हैं, दूसरी तरफ जयललिता की विरासत संभाल रही एआईएडीएमके और हिंदुत्व के सहारे पैर जमाने की कोशिश कर रही बीजेपी का गठबंधन है। आम लोगों, सीनियर जर्नलिस्ट और पॉलिटिकल एक्सपर्ट के जरिए ये 3 बातें समझ आती हैं -1. तमिलनाडु में स्टालिन सरकार की वापसी हो सकती है। डीएमके गठबंधन को 120 से 140 सीटें मिल सकती हैं। इनमें डीएमके को 100 से 110, कांग्रेस को 10 से 15 और गठबंधन की बाकी पार्टियों को भी 10 से 15 सीटें मिल सकती हैं। 2021 का रिजल्टः डीएमके को 133 और कांग्रेस को 18 सीटें मिली थीं। गठबंधन ने 159 सीटें जीती थीं। डीएमके ने अपने दम पर बहुमत हासिल किया था। 2. दूसरी बड़ी पार्टी एआईएडीएमके के गठबंधन को 90 से 100 सीटें मिलने के आसार हैं। एआईएडीएमके को 70 से 80 सीटें मिल सकती हैं। 27 सीटों पर लड़ रही बीजेपी का खाता खुलना मुश्किल है, लेकिन पार्टी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, तो 5 तक सीटें मिल सकती हैं। कोयंबटूर साउथ, तिरुनेलवेली, नागरकोइल, मोडाकुरिची और कारैकुडी सीट पर जीत के ज्यादा चांस हैं। गठबंधन की बाकी पार्टियों को 5 से 10 सीटें मिल सकती हैं। 2021 का रिजल्टः एआईएडीएमके ने 66 और बीजेपी ने 4 सीटें जीती थीं। गठबंधन को सिर्फ 75 सीटें मिली थीं। 3. तमिल फिल्मों से सुपरस्टार थलापति विजय की नई पार्टी टीवीके की एंट्री फीकी दिख रही है। पार्टी को 5 से 15 सीटें मिल सकती हैं। हालांकि, पार्टी का वोट शेयर 12फीसदी रह सकता है। 2021 का रिजल्टः टीवीके पहली बार चुनाव लड़ रही है। पिछली बार एक्टर सीमान की पार्टी नाम तमिलर काची और कमल हासन की मक्कल नीधि मय्यम का खाता नहीं खुला था। स्टालिन की वापसी की वजहें-मजबूत गठबंधन, महिलाओं में पॉपुलर योजनाएं और स्टालिन की इमेज-गठबंधनः स्टालिन ने सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस को चुनाव के पहले मजबूत किया। गठबंधन को मैनेज करना उनकी सबसे बड़ी खासियत मानी जाती है। स्थानीय और जातियों वाली पार्टियों को साथ लाए। योजनाएंः कलैगनार मगलिर उरीमाई थोगाई योजना के तहत हर महिला

को एक हजार रुपए महीने दिए गए। ये पैसा करीब 1 करोड़ महिलाओं को मिला। सरकारी बसों में महिलाओं के लिए फ्री सफर बड़ा फैक्टर है।सरकारी स्कूल से पढ़कर कॉलेज में जाने वाली लड़कियों को हर महीने एक हजार रुपए दिए गए। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए फ्री कोचिंग, लाइब्रेरी, रीडिंग रूम, स्कॉलरशिप प्रोग्राम चलाए। इनका फायदा लेने वाले युवा फर्स्ट टाइम वोटर हैं। तमिलनाडु में करीब 12.51 लाख युवा पहली बार वोट डालेंगे।इकलौती कमजोरीः गठबंधन की कमजोरी कांग्रेस है। उसे 28 सीटें मिली हैं। पार्टी के स्टार प्रचारक राज्य में कम ही एक्टिव रहे। कांग्रेस ने प्रचार का पूरा जिम्मा डीएमवेज को सौंप दिया। एआईएडीएमके में झगड़ा, हिंदुत्व कार्ड का फेल होना, स्टालिन को घेर नहीं पाए -गुटबाजीः पूर्व सीएम जयललिता की मौत के बाद से एआईएडीएमके में लीडरशिप का संकट रहा है। दो बड़े लीडर पलानीस्वामी और पन्नीरसेल्वम के बीच झगड़ा रहा। इससे पार्टी समर्थकों और वोटर्स को साफ नेतृत्व नहीं दिखता। स्टालिन के खिलाफ मुद्दा नहींः एआईएडीएमके और बीजेपी स्टालिन सरकार के खिलाफ बड़े मुद्दे और नैरेटिव तैयार नहीं कर सके। 2021 के बाद लोकसभा से लेकर स्थानीय चुनाव तक डीएमके ने ही जीते हैं। एआईएडीएमके भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा और महंगाई जैसे मुद्दे उठा रही है, लेकिन इनका असर नहीं दिखता। हिंदुत्व कार्ड बेअसरः बीजेपी ने तमिलनाडु में तिरुपरनकुंद्रम के दरगाह विवाद के जरिए हिंदुत्व कार्ड खेला है। पूरी मशीनरी प्रचार में उतरी, लेकिन इसका टेस्ट बाकी है। हिंदुत्व का मुद्दा तमिलनाडु की द्रविड़ पॉलिटिक्स में काम नहीं करता। बीजेपी का कमजोर होनाः एआईएडीएमके पश्चिम और दक्षिण तमिलनाडु में ज्यादा मजबूत है। 140 सीटों वाले सेंट्रल, नॉर्थ और डेल्टा रीजन में विपक्षी गठबंधन कमजोर है। खासकर बीजेपी इन इलाकों में बिल्कुल भी नहीं है। पार्टी के अंदर फूट भी दिखी। उसने फायरब्रांड नेता अन्नामलाई को अध्यक्ष पद से हटाया, फिर चुनाव में कोई जिम्मेदारी नहीं दी। बीजेपी का कैडर मानता है कि एआईएडीएमके के दबाव में ऐसा किया गया। अन्नामलाई लगातार एआईएडीएमके के बड़े नेताओं के खिलाफ बयान दे रहे थे। थलापति विजय का किंगमेकर बनना क्यों मुश्किल-पार्टी स्ट्रक्चर नहींः थलापति विजय ने 2024 में तमिलगा वेत्री कझगम पार्टी बनाई थी। उन्होंने सभी 234 सीटों पर कैंडिडेट उतारे हैं। तमिलनाडु में लोग पार्टी के दूसरे नेताओं को न जानते हैं और न ही दूसरे नेताओं की कोई अहमियत है। ज्यादातर नेता डीएमके और एआईएडीएमके के बागी हैं या पार्टी छोड़कर आए हैं। पार्टी का स्ट्रक्चर तैयार नहीं हो पाया। टीवीके को जो भी हासिल होगा, सिर्फ विजय के स्टारडम पर होगा। गठबंधन के बिना बेअसरः विजय की फिल्में देखकर तमिलनाडु की एक पूरी पीढ़ी बड़ी हुई है। यही पीढ़ी फर्स्ट और सेकेंड टाइम वोटर है। तमिलनाडु के 20 से 25फीसदी वोटों पर विजय का सीधा असर है। उनकी पार्टी 12फीसदी वोट हासिल कर सकती है। अगर टीवीके को 20 से ज्यादा सीटें मिलती हैं और किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिलता है, तो विजय किंगमेकर बन सकते हैं। एआईएडीएमके और बीजेपी स्टालिन को हराने के लिए विजय पर दांव खेल सकते हैं। पुरानी राजनीतिः विजय के पहले कमल हासन और रजनीकांत जैसे सुपरस्टार राजनीति में आए, लेकिन कुछ खास नहीं कर पाए। विजय न मीडिया से बात करते हैं, न इंटरव्यू देते हैं। उसी द्रविड़ राजनीति की बात करते हैं, जिस पर पेरियार, अन्नादुरै, करुणानिधि और जयललिता और अब स्टालिन काम कर रहे हैं। वे स्टालिन सरकार की खामियों पर बात करते हैं, लेकिन बीजेपी और एआईएडीएमके के विरोध में उतने तीखे अंदाज में बात नहीं करते। एक्सपर्ट्स की राय-स्टालिन ने चुनाव को तमिलनाडु बनाम दिल्ली बनाया-डी. सुरेश, जर्नलिस्टः तमिलनाडु में 4 ध्रुवीय चुनाव है। डीएमके और एआईएडीएमके के अलावा तीसरा फ्रंट एक्टर सीमान की एंटीके पार्टी है। उनके पास 8फीसदी वोट है। चौथा मोर्चा विजय के नेतृत्व में बना है। डीएमके इस चुनाव को तमिलनाडु बनाम दिल्ली के तौर पर पेश कर रही है। राहुल, जर्नलिस्टः तमिलनाडु में नौकरी, रोजगार, स्वास्थ्य और इंफ्रास्ट्रक्चर मुद्दा है, लेकिन विपक्ष इन्हें नैरेटिव के तौर पर सेट नहीं कर पाया। करप्शन को मुद्दा बनाने की कोशिश की, लेकिन कोई केस उजागर नहीं कर पाए। जमीन पर बीजेपी की हवा ही नहीं है।

हरचंदपुर स्टेशन पर सेवा भाव की मिसाल,गर्मी भर यात्रियों को मिलेगा निःशुल्क शीतल जल

शिव परिवार ने शुरू की जलसेवा, ट्रेन रुकते ही बाल्टियों में भरकर बोगी-बोगी पहुंचाया ठंडा पानी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) हरचंदपुर/रायबरेली। भीषण गर्मी के

बीच मानव सेवा और परोपकार की अनूठी मिसाल पेश करते हुए सोमवार को हरचंदपुर रेलवे स्टेशन पर शिव

परिवार की ओर से यात्रियों एवं राहगीरों के लिए निःशुल्क शीतल

जल सेवा का शुभारंभ किया गया। सेवा कार्य में जुटे युवाओं ने हाथों में जल से भरी बाल्टियां लेकर प्लेटफार्म पर पहुंचते ही यात्रियों को ठंडा पानी पिलाया, जिससे लोगों के चेहरे खिल उठे। दोपहर की तपिश के बीच जब वाराणसी-देहरादून जनता एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर दो पर पहुंची तो ट्रेन की बोगियों के बाहर खड़े दर्जनों सेवादारों को देखकर यात्रियों में उत्साह छा गया। प्यास से व्याकुल यात्रियों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'लो आ गया हरचंदपुर स्टेशन... यहां गर्मी भर मिलेगा ठंडा-ठंडा पानी, अब जी भरकर पानी पियो।'इसके बाद सेवादारों ने पूरी तत्परता और समर्पण भाव से बोगी-बोगी जाकर यात्रियों को शीतल जल उपलब्ध कराया। कई यात्रियों ने इस पुनीत पहल की सराहना करते हुए इसे गर्मी में राहत देने वाली बड़ी सेवा बताया। कार्यक्रम के दौरान ट्रेन चालक दल, गार्ड तथा यात्रियों का बताशा खिलाकर स्वागत भी किया गया।शिव परिवार के पदाधिकारियों ने बताया कि यह जलसेवा पूरे ग्रीष्मकाल तक निरंतर जारी रहेगी, ताकि स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों को गर्मी में राहत मिल सके। क्षेत्रवासियों ने इस पहल को मानवता, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रेरणादायक उदाहरण बताते हुए शिव परिवार के प्रयासों की सराहना की।

'निक्षय मित्र' बनकर टीबी मरीजों को पोषण पोटली की गई वितरित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला क्षय रोग विभाग की अगुवाई में टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने हेतु आयोजित भव्य कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न विभागों, चिकित्सकों, सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। भारत सरकार के 100 दिवसीय सघन टीबी खोज अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक ने 'निक्षय मित्र' बनकर टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की और जनभागीदारी को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ओलंपियन पद्मश्री सुधा सिंह ने कहा कि टीबी एक गंभीर लेकिन पूर्णतः उपचार योग्य बीमारी है। समय पर जांच, नियमित दवा और उचित पोषण से मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जांच कराएं तथा मरीजों के साथ भेदभाव न करते हुए सहयोग करें। उन्होंने कहा, 'न कोई छूटे, न कोई छिपे कृ हर मरीज तक पहुंचे उपचार' यही इस अभियान की सफलता का मूल मंत्र है। भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक बृजभानु सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि 'निक्षय मित्र' बनकर पोषण पोटली वितरण करना बैंक के लिए सामाजिक उत्तरदायित्व का विषय है। यह पहल मरीजों को पोषण के साथ-साथ मानसिक संबल भी प्रदान करती है। उन्होंने सभी संस्थाओं से इस अभियान में जुड़कर अधिक से अधिक लोगों तक सहायता पहुंचाने का आह्वान किया।जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनुपम सिंह ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 100 दिवसीय सघन टीबी खोज अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर संभावित मरीजों की पहचान की जा रही है तथा चलित एक्स-रे वाहन के माध्यम से जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों से सहयोग की अपील की।

आशा भोसले की पोती ने उनकी आखिरी इच्छा बताई,अस्थि विसर्जन किया, काशी में बोलीं- दादी फिर लौटेंगी

वाराणसी। बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले और पोती जनाई

सोमवार को काशी पहुंचे। दोनों अस्सी घाट से नाव में सवार हुए। गंगा के बीच पहुंचकर आशा भोसले की अस्थियां प्रवाहित कीं। अस्थि विसर्जन के दौरान जनाई भावुक हो गईं। उनकी आंखों से आंसू निकलने लगे। जनाई ने कहा- दादी ने मौत से पहले काशी में अपनी अस्थियां विसर्जित करने की इच्छा जताई थी। बता दें कि, 12 अप्रैल को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में आशा भोसले का निधन हुआ था। बेटे आनंद भोसले ने कहा- मां जीवन में सिर्फ एक बार काशी आई थीं, लेकिन उनका भगवान शिव से अटूट रिश्ता था। उनकी अंतिम इच्छा को पूरा करने के लिए ही आज हम लोग यहां अस्थियां लेकर आए हैं। मां का पिंडदान भी किया है। इससे पहले पिंडरा विधायक अवधेश सिंह ने सुबह 9 बजकर 30 मिनट पर परिवार के लोगों को बाबतपुर एयरपोर्ट से रिसीव किया था। अस्थि विसर्जन के बाद आनंद भोसले और बेटी जनाई ने ताज होटल में रेस्ट किया। फिर यहां से शाम 4 बजे मुंबई के लिए रवाना हो गए। आशा भोसले के निधन के बाद ज़नाई भोसले ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया था। उन्होंने अपनी दादी को अपना सबसे अच्छा दोस्त और जिंदगी का अहम हिस्सा बताया। जनाई ने लिखा कि अब उन्हें समझ नहीं आ रहा कि वह किसके साथ सुबह चाय पियेंगी या मजाक साझा करेंगी। उन्होंने लिखा कि वह मानती हैं कि उनकी दादी हमेशा उनके साथ रहेंगी और एक दिन फिर से उन्हें गले लगाने लौटेंगी। उन्होंने कहा कि आशा भोसले सिर्फ एक महान कलाकार ही नहीं, बल्कि उनके लिए जिंदगी और खुशियों की पहचान थीं। आशा भोसले को महज 16 साल की उम्र में बड़ी बहन लता के सेक्रेटरी गणपत राव भोसले से प्यार हो गया। तो उन्होंने 16 की उम्र में घर से भागकर गणपत राव से शादी कर ली। यह फैसला उनके लिए खुशियों से ज्यादा तकलीफें लेकर आया। शादी के बाद उन्हें अपने पति और ससुराल वालों से अच्छा व्यवहार नहीं मिला। वक्त बीतता गया और रिश्ते में कड़वाहट भी बढ़ती गई। शक और तनाव से भरे इस रिश्ते ने कुछ साल बाद ही दम तोड़ दिया। गणपतराव ने उन्हें घर से निकाल दिया। उस वक्त आशा दो बच्चों के साथ थीं और तीसरे बच्चे की मां बनने वाली थीं। मजबूरी में उन्हें अपने मायके लौटना पड़ा। साल 1960 में दोनों अलग हो गए। गणपत राव से तलाक लेने के बाद आशा भोसले की जिंदगी में आरडी बर्मन हमसफर बनकर आए। दोनों की मुलाकात 1966 में हुई, जब वो तीसरी मंजिल में साथ काम कर रहे थे। दोनों ने ओ हसीना जुल्फों वाली, और गणपत राव उम्र में 15 साल बड़े थे। आशा जानती थीं कि परिवार इस रिश्ते को नहीं अपनाएगा, ओ मेरे सोना रे सोना रे को आवाज दी। आरडी बर्मन, पिता एसडी बर्मन की लेगेसी से कुछ अलग करना चाहते थे। जैज, कैबरे का ट्रेंड लाते हुए उन्हें आशा भोसले की आवाज का सहारा मिला। दोनों ने पिया तू अब तो आजाष्ठ, दम मारो दमष्ठ. जैसे गानों बनाए, जिसे आशा भोसले को कैबरे क्वीन कहा जाने लगा। प्रोफेशनल रिश्ता जल्द ही नजदीकियां बढ़ने की वजह बना। पंचम दा, उम्र में आशा से 6 साल छोटे थे। उनका 1971 में पहली पत्नी रीटा से तलाक हो चुका था। उनकी शादी विवादों में थी। घरेलू झगड़े बढ़ने से वो घर छोड़कर होटल में रहने लगे थे। 9 साल बाद जब उन्होंने आशा से शादी करने का फैसला किया तो परिवार खिलाफ हो गया। मां ने साफ इनकार कर दिया। आरडी बर्मन की मां दोनों के रिश्ते से इतनी खफा थीं कि उन्होंने साफ कह दिया कि जब तक वो जिंदा हैं, तब तक दोनों की शादी नहीं हो सकती और अगर वो ये शादी करना चाहते हैं तो आशा को अपनी मां की लाश के ऊपर से घर में लाना होगा। ये सुनकर आरडी बर्मन बिना कुछ कहे ही वहां से चले गए। वे शादी करना चाहते थे, लेकिन मां की नाराजगी के चलते ऐसा मुमकिन नहीं था। कुछ सालों के बाद आरडी बर्मन की मां बेहद बीमार रहने लगीं और उन्होंने किसी को भी पहचाना बंद कर दिया। इसके बाद आरडी बर्मन और आशा ने 1980 में शादी कर ली। शादी के 14 साल बाद 1994 में आरडी बर्मन का निधन हो गया। आशा एक बार फिर अकेली हो गईं। आरडी के निधन से पहले उनकी फाइनेंशियल कंडीशन ठीक नहीं थी जिसके चलते आशा और वे अलग रहा करते थे।

कॉकटेल पार्टी में नाचीं नोरा फतेही,सेल्फी लेने के लिए बेकाबू हुए फैंस, लुधियाना में बाउंसरों ने मुश्किल से संभाली भीड़

लुधियाना। लुधियाना के पॉश इलाके फिरोजपुर रोड स्थित महाराजा मेंशन में सोमवार की रात बॉलीवुड की डांसिंग क्वीन नोरा फतेही के नाम रही।

मौका था शहर के एक नामी समाजसेवी के बेटे के कॉकटेल फंक्शन का, जहां नोरा फतेही ने अपनी कातिलाना अदाओं और डांस मूव्स से समां बांध दिया। नोरा को अपने बीच पाकर मेहमान उनके साथ सेल्फी लेने के लिए बेकाबू हो रहे थे। बाउंसरों ने मुश्किल से भीड़ को संभाला। इसके बाद लोगों ने नोरा के साथ डांस किया और नोरा पर फिल्माए 'ओ साकी साकी' और 'ओह मामा तेतेमा' जैसे गाने भी गाए। इस ग्रैंड सेलिब्रेशन में शहर की करीब 700 नामी हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत सिंगर सहर भाटिया की सुरीली आवाज के साथ हुई, जिन्होंने अपनी गायिकी से माहौल बनाया। हालांकि, जैसे ही नोरा फतेही ने स्टेज पर एंट्री ली, पूरा हॉल तालियों और शोर से गूंज उठा। नोरा ने अपने सिग्नेचर स्टेप्स और मनमोहक स्टेज परजेंस से हर किसी को झूमने पर मजबूर कर दिया। नोरा की परफॉर्मेंस के दौरान वहां मौजूद मेहमान और बच्चे उनके साथ सेल्फी लेने के लिए बेताब दिखे। हर कोई इस पल को अपने मोबाइल कैमरों में कैद करना चाहता था। हालांकि, सुरक्षा कारणों और टाइट शेड्यूल की वजह से नोरा ने केवल अपनी तय परफॉर्मेंस दी और उसके तुरंत बाद वे वहां से रवाना हो गईं। वह फंक्शन में करीब 40 मिनट तक रुकी थीं। शहर के सामाजिक हलकों में बेहद लोकप्रिय समाजसेवी लड्डू ने इस जश्न का आयोजन किया था। अपने करीबी दोस्तों और परिवार के लिए रखी गई इस कॉकटेल पार्टी की चर्चा अब पूरे लुधियाना में हो रही है। आयोजन में खान-पान से लेकर सजावट तक, हर चीज में रॉयल टच नजर आया।

सैयारा फेम अनीत पड्डा के दादा का निधन,अल्जाइमर से लंबे समय से पीड़ित थे

मुंबई। सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा के दादा का निधन हो

गया। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर निधन की जानकारी देते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया। अनीत ने पोस्ट में लिखा, 'मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा प्यार। आप धीरे-धीरे दूर जा रहे थे, लेकिन आपने 'मक्खन' को नहीं भुलाया। जब यादें साथ नहीं दे रही थीं, तब भी आपने प्यार को थामे रखा। अब मैं दोनों को संभालकर रखूंगी, आपकी यादें और आपका प्यार। हमारे साथ बिताए हर पल को मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। मैं एक अच्छी इंसान बनूंगी।' एक्ट्रेस ने आगे लिखा, आपके मजाक याद रखूंगी और हर मौके पर उन्हें दोहराऊंगी। आपकी अच्छाई और आपकी रोशनी को हर अंधेरे में फैलाऊंगी। आपकी कहानियां दुनिया को सुनाऊंगी। आपका प्यार अपने दिल में रखूंगी, आपने मुझे सबसे सच्चा और बिना शर्त वाला प्यार सिखाया है। पोस्ट के अंत में एक्ट्रेस ने लिखा, 'मैं आपको हमेशा अपने साथ लेकर चलूंगी। आज मैंने आसमान में सबसे चमकता तारा देखा और समझ गई कि आप वहीं हैं। मैं आपसे प्यार करती हूंष्ठ बहुत-बहुत प्यार करती हूं, दादू। हमेशा, समय से भी आगे तक।' बता दें कि अनीत के दादा लंबे समय से अल्जाइमर की बीमारी से जूझ रहे थे। उनकी याददाश्त इतनी कमजोर हो गई थी कि वे अपना नाम और परिवार के सदस्यों तक को भूल चुके थे।वर्क फ्रंट की बात करें तो अनीत जल्द ही डायरेक्टर मोहित सूरी की फिल्म में एक बार फिर एक्टर अहान पांडे के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह मैडॉक की फिल्म शक्ति शालिनी में भी काम कर रही हैं।

हसबैंड निजी बातें अपनी बहन को बताता हैःमुझे चाहिए प्राइवेसी, क्या मैं ओवरथिंक कर रही या हमारी शादी खतरे में है

नयी दिल्ली। विषय पर प्रकाश डालेंगे एक्सपर्टः डॉ. जया सुब्रुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा और उनसे समझेंगे उपाय सवाल जवाब के माध्यम से। सवालः मैं 30 साल की हूं। मेरी शादी हुए लगभग 4 साल हो चुके हैं। मेरी ससुराल इंदौर में है, मैं होम मेकर हूं। हमारे रिश्ते में सबकुछ ठीक है, लेकिन मेरे पति हर छोटी-बड़ी बात अपनी

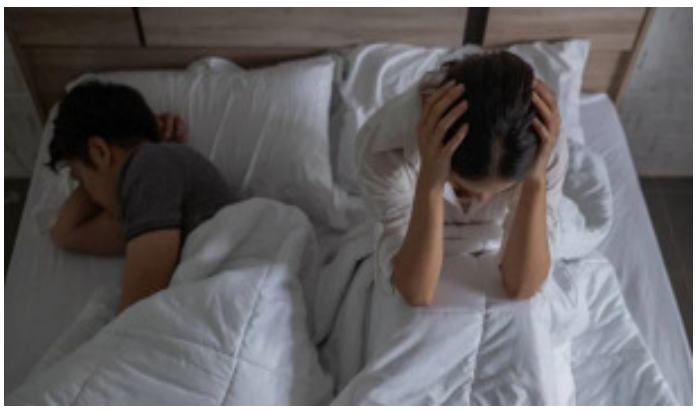

बहन से शेयर करते हैं। यहां तक कि कई बार वे हमारी पर्सनल बातें भी शेयर करते हैं। जब मुझे इस बारे में पता चला तो मुझे यह सब बहुत अजीब लगा। उसके बाद से मुझे ऐसा महसूस होता है कि जैसे हमारे रिश्ते में कोई प्राइवेसी ही नहीं बची है। जब मैं अपने पति से इस बारे में कोई सवाल करती हूं तो वो कहते हैं कि वो मेरी बहन ही तो है, उससे सब शेयर करना कोई गलत बात नहीं है। अब मैं परेशान हूं कि क्या मैं ओवरथिंक कर रही हूं या वाकई ये मेरी मैरिड लाइफ के लिए खतरा हो सकता है? मुझे अपने रिलेशनशिप को बचाने के लिए क्या करना चाहिए? क्या मुझे किसी काउंसलर की हेल्प लेनी चाहिए? जवाबः सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि आप जो महसूस कर रही हैं, वो बिल्कुल सही है। शादी के चार साल बाद भी रिश्ते में प्राइवेसी का मुद्दा उठना कोई छोटी बात नहीं है। आपने बताया कि आपके पति हर छोटी-बड़ी बात अपनी बहन से शेयर करते हैं, यहां तक कि पर्सनल बातें भी। इससे आपको लगता है कि रिश्ते की गोपनीयता खत्म हो गई है। और जब आप विरोध करती हैं, तो वो कहते हैं कि बहन है, शेयर करना गलत नहीं। ये सुनकर आपको लग रहा होगा कि शायद आप ज्यादा सोच रही हैं, लेकिन नहीं, ये एक असली समस्या है। मैंने ऐसे कई कपल्स को देखा है जहां फैमिली में ज्यादा शेयरिंग से रिश्ता कमजोर पड़ जाता है। इसे धीरे-धीरे समझते हैं और देखते हैं कि क्या करना चाहिए। सबसे पहले, खुद को दोष मत दीजिए। शादी एक ऐसा रिश्ता है जहां दो लोग एक-दूसरे के सबसे करीब होते हैं। यहां अवेक्ला महसूस करती हैं, क्योंकि समाज हमें सिखाता है कि फैमिली को खुश रखना हमारी जिम्मेदारी है। लेकिन याद रखिए, आपकी मैरिड लाइफ आपकी है, और उसमें बाउंड्रीज जरूरी हैं। चलिए, इसे एक सिंपल उदाहरण से समझते हैं। सोचिए, आपका घर एक गार्डन है। उसमें फूल खिलाने के लिए आप दोनों मिलकर पानी देते हैं, देखभाल करते हैं। प्राइवेसी का मतलब है कि कुछ बातें सिर्फ आप दोनों के बीच रहें। जब कोई तीसरा इंसान, चाहे वो बहन ही क्यों न हो, उन बातों में शामिल हो जाता है, तो रिश्ते की नींव हिल सकती है। आप ओवरथिंक नहीं कर रही हैं; ये आपका हक है कि आप अपने रिश्ते की प्रोटेक्शन चाहें। बहुत सी महिलाएं ऐसी स्थिति में खुद को नहीं हैं। रिसर्च बताती है कि कपल्स जो प्राइवेसी बनाए रखते हैं, उनके रिश्ते ज्यादा मजबूत होते हैं। लेकिन अगर शेयरिंग ज्यादा हो जाए, तो मिसअंडरस्टैंडिंग बढ़ सकती है, और कभी-कभी फैमिली में दखलअंदाजी शुरू हो जाती है। आपके पति कहते हैं कि बहन है, शेयर करना गलत नहीं। ये सही है कि फैमिली से कुछ बातें शेयर की जा सकती हैं, जैसे खुशी के मोमेंट्स या जनरल एडवाइज। लेकिन पर्सनल बातें, जैसे इंटिमेट डिटेल्स, फाइनेंशियल इश्यूज या झगड़े, वो बाहर नहीं जानी चाहिए। ये ओवर शेयरिंग है, जो रिश्ते को कमजोर करती है? हां, बिल्कुल। अगर ये आदत जारी रही, तो आपकी मैरिड लाइफ में कई प्रॉब्लम्स बड़ा बन जाता है। ये न सिर्फ आपके लिए, बल्कि उनके लिए भी खतरा है, क्योंकि इससे रिश्ते में असुरक्षा आ जाती है। क्या ये रिश्ते के लिए खतरा

मैंने क्लिनिक में ऐसे केस देखे हैं जहां ओवर शेयरिंग से डिवोर्स तक बात पहुंच गई। की बैलेंस बिगाड़ देगा। तीसरा, लंबे समय में ये रिसेंटमेंट पैदा कर सकता है- आप पति से नाराज रहेंगी, और वो समझ नहीं पाएंगे। प्राइवेट बातें नहीं शेयर करनी चाहिए। ग्राफिक में दी ये लिस्ट रिश्ते की प्राइवेसी बनाए रखने के लिए जरूरी है। अब इन बातों को थोड़ा विस्तार से समझते हैं-पहली बात, सेक्स लाइफ की इंटीमेट डिटेल्सः ये सबसे पर्सनल मोमेंट्स हैं, इन्हें शेयर करने से रिश्ते की पवित्रता टूटती है और ट्रस्ट कम होता है। दूसरी, पार्टनर की कमजोरियांः इन्हें बाहर बताने से दूसरे लोग आपके पार्टनर का सम्मान कम कर सकते हैं और कभी ये उनके खिलाफ इस्तेमाल हो सकती हैं। तीसरी, फाइनेंशियल डिटेल्सः पैसे की दिक्कतें या कमाई शेयर करने से अनचाहा एडवाइज, दया या गलतफहमी हो सकती है।चौथी, फैमिली सीक्रेट्सः संवेदनशील पास्ट या ट्रॉमा बाहर जाने से असुरक्षा बढ़ती है। पांचवीं, रिलेशनशिप प्रॉब्लम्सः झगड़ों को बाहर वेंट करने से दूसरे लोग बायस्ड हो जाते हैं और प्रॉब्लम बड़ी हो जाती है। छठी, पास्ट ट्रॉमाजः ये गहरी बातें शेयर करने से पार्टनर असुरक्षित फील कर सकता है। सातवीं, पर्सनल गोल्सः इन्हें जल्दी शेयर करने से मोटिवेशन कम हो सकता है। आठवीं, फैमिली मैटर्सः घर की बातें बाहर न जाएं, वरना सीक्रेट्स लीक हो सकते हैं। नौवीं, रोमांटिक जेस्चर्सः गिफ्ट्स या स्पेशल मोमेंट्स की डिटेल्स शेयर करने से उनका महत्व कम हो जाता है। दसवीं, पास्ट रिलेशनशिप्सः पुरानी बातें लेकिन अगर हर कोई बाहर से आकर उसमें हाथ डाले, तो वो गार्डन कैसा रहेगा? ठीक वैसे ही, रिश्ते में प्राइवेसी वो बाड़ा है जो बाहर की हवा से बचाता है।

जब पति अपनी बहन से सब शेयर करते हैं, तो वो बाड़ा टूट जाता है। इससे ट्रस्ट कम होता है, क्योंकि आपको लगता है कि आपकी बातें सुरक्षित है। उदाहरण के लिए, अगर आपका पति आपकी कोई कमजोरी बहन से शेयर कर दे, तो वो अनजाने में आप पर असर डाल सकती है। या अगर कोई फैमिली प्रॉब्लम है, तो बाहर शेयर करने से वो और आ सकती हैं। सबसे पहले, आप दोनों के बीच कम्युनिकेशन कम हो सकता है, क्योंकि आपको डर लगेगा कि बात बाहर जाएगी। दूसरा, बहन की एडवाइज से आपके फैसले प्रभावित हो सकते हैं, जो रिश्ते लेकिन अच्छी बात ये है कि इसे ठीक किया जा सकता है, अगर दोनों मिलकर कोशिश करें। कपल को रिलेशनशिप से बाहर ये बातें शेयर नहीं करनी चाहिए-कपल्स को कभी भी अपने रिलेशनशिप से बाहर लाने से खटास आ सकती है। अब क्या करें? सबसे पहले, अपने पति से खुलकर बात करें। लेकिन ये सारी बातें गुस्से में नहीं, बल्कि शांति से करें। उन्हें बताएं कि आप उनकी बहन से प्यार करती हैं, लेकिन कुछ बातें सिर्फ आप दोनों की हैं। उन्हें कहें कि मुझे लगता है कि हमारी प्राइवेसी जरूरी है, ताकि हमारा रिश्ता मजबूत रहे। अगर वो समझें, तो अच्छा है। लेकिन अगर न मानें, तो बाउंड्री सेट करें। उन्हें बताएं कि पर्सनल बातें शेयर न करें, वो सिर्फ हमारी बातें हैं। बहन से दूरी नहीं, बैलेंस बनाना जरूरी-उन्हें ये समझाएं कि बहन से रिश्ता नहीं तोड़ना है। बस बैलेंस बनाना जरूरी है। पति को समझाएं कि फैमिली इंपॉर्टेंट है, लेकिन मैरिज अलग है। अगर वो न बदलें, तो फैमिली काउंसलिंग लें। ये मदद करेगी। याद रखिए, रिश्ता दो लोगों का है, और प्राइवेसी उसकी सेफ्टी है। खुद को सशक्त बनाएं-आखिर में, खुद पर फोकस करें। अपनी फीलिंग्स को वैलिडेट करें और अगर जरूरी हो तो दोस्तों से बात करें, लेकिन पर्सनल डिटेल्स न शेयर करें। आप एक हेल्दी रिश्ते की हकदार हैं, जहां ट्रस्ट और प्राइवेसी हो। अगर कोशिश से बात बने, तो अच्छा। वर्ना, अपनी खुशी को प्राथमिकता दें। आप अवेक्ली नहीं हैं, कई महिलाएं इससे गुजरती हैं और बाहर निकलती हैं। हिम्मत रखिए, सब ठीक होगा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।